

रीवा

25

फरवरी 2025
मंगलवार

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

@ पेज 7



रोहित शर्मा वनडे में...



दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा आरोप, आतिशी ने दिया जवाब



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली आम आदमी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। सीएम ने कहा कि पिछली आम आदमी पार्टी सरकार भाजपा सरकार के लिए 'सरकारी खजाने को खाली' छोड़कर चली गई है। इसके साथ

● 'बीजेपी के लिए सरकारी खजाना खाली छोड़ गई'

ही सीएम रेखा गुप्ता ने ये भी कहा कि खजाना खाली हो तो क्या हुआ महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये भुगतान किया जाएगा। दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने रेखा गुप्ता के आरोप का करारा जवाब दिया और कहा कि हमारी सरकार के दस साल के शासन के बाद भाजपा को -वित्तीय रूप से मजबूत-



सरकार सौंपी गई है। उन्होंने तंज कसा और कहा कि भाजपा को -बनाने- बनाने के बजाय अपने वादों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पहले रविवार को राज्य पार्टी कार्यालय में भाजपा विधायकों के साथ एक बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि महिला समृद्धि योजना के तहत दिल्ली में पात्र महिलाओं को

2,500 रुपये प्रति माह का भुगतान किया जाना है लेकिन पिछली सरकार हमें किस स्थिति में छोड़ गई है, ये देख लीजिए। पूरा सरकारी खजाना खाली है। लेकिन महिला सम्मान योजना को निश्चित रूप से लागू किया जाएगा। वहीं, विधानसभा में विपक्ष की चुनौती नहीं नेता आतिशी ने रेखा गुप्ता को जवाब दिया और कहा कि जब 2015 में आम आदमी की सरकार बनी थी तब दिल्ली का कुल बजट केवल 30,000 करोड़ रुपये था। इसी सरकार में पिछले दस वर्षों में बजट बढ़कर 77,000 करोड़ रुपये हो गया। आतिशी ने कहा, -मुझे उम्मीद थी कि भाजपा सरकार बनते ही वह अपनी तथाकथित गारंटियों और वादों को पूरा करने से बचने के लिए बहाने बनाना शुरू कर देंगी और यही हो रहा।-

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस के मारसिले शहर में रूसी वाणिज्य दूतावास के बाहर हुआ विस्फोट

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस के मारसिले शहर में स्थित रूसी वाणिज्य दूतावास के बाहर सोमवार तड़के आग लगने के काम में इस्तेमाल होने वाले एक उपकरण में विस्फोट हो गया। यूक्रेन पर रूसी हमले की तीसरी वर्षगांठ पर हुए इस विस्फोट में किसी के हलाकत होने की सूचना नहीं है। इस दौरान दूसरा उपकरण भी फेंका गया, लेकिन वह नहीं फटा। इस



घटना के बाद बम निरोधक विशेषज्ञ को घटनास्थल पर बुलाया गया। एक अधिकारी ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा कि घटना के बाद संदिग्ध व्यक्ति भाग गया और जांच शुरू की गई है। अधिकारियों ने संदिग्ध या मकसद के बारे में अभी कोई ब्योग नहीं दिया है। मारसिले फ्रांस का दूसरा सबसे बड़ा शहर और एक प्रमुख भूमध्यसागरीय बंदरगाह है। इस शहर में विभिन्न समुदाय के लोग रहते हैं, लेकिन यहां रूसी समुदाय के अधिक लोग नहीं रहते हैं। फ्रांस ने 2022 से यूक्रेन पर रूस के हमले के खिलाफ कई विरोध प्रदर्शन देखे हैं, जिसमें मारसिले, पेरिस और अन्य शहरों के प्रदर्शन शामिल हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जकारोवा ने कहा कि मारसिले में हुई घटना में 'आतंकवादी हमले के सभी लक्षण हैं। फ्रांसीसी मीडिया ने पहले बताया था कि वाणिज्य दूतावास के पास एक विस्फोट की आवाज सुनी गई थी और दमकलकर्मी मौके पर थे। अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि इस घटना के पीछे किसका हाथ है।

पोप फ्रांसिस की हालत नाजुक, गर्द में खराबी के दिखे लक्षण

रोम (एजेंसी)। अस्पताल में भर्ती पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार हो रहा है और उन्होंने रात में अच्छी नींद ली, सोमवार सुबह उन्होंने आराम भी किया। वैटिकन ने यह जानकारी दी है। पोप फ्रांसिस 10 दिन से रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती हैं। वह फेफड़े के संक्रमण से पीड़ित हैं जिसके कारण उनके गर्द में खराबी के शुरुआती चरण के लक्षण दिखने

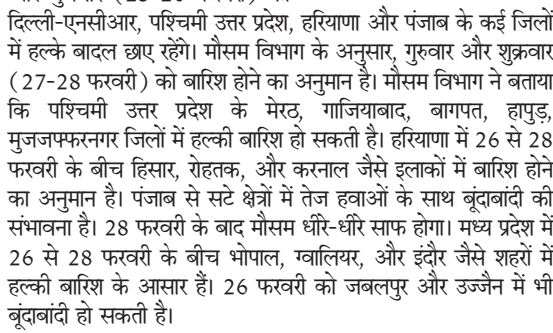


लगे हैं। हालांकि, वैटिकन के इस एक वाक्य के इस बयान में यह स्पष्ट नहीं है कि फ्रांसिस (88) सोबर उठे हैं या नहीं। बयान में कहा गया है, "रात अच्छे से सोए, पोप ने अच्छी नींद ली और वह आराम कर रहे हैं।" रविवार देर रात चिकित्सकों ने बताया कि खून की जांच से पता चला है कि गर्द में खराबी के शुरुआती लक्षण दिख रहे हैं, लेकिन फिर भी स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि फ्रांसिस की हालत नाजुक बनी हुई है, लेकिन शनिवार से उन्हें सांस लेने में कोई दिक्कत नहीं हुई है। उन्हें अक्सर जोर से खाती थीं और रविवार को उन्होंने लोगों से बात भी की तथा उन्होंने प्रार्थना सभा में भाग लिया। चिकित्सकों ने कहा कि फ्रांसिस की बढ़ती उम्र, स्थिति की गंभीरता और पहले से फेफड़े के रोग से पीड़ित होने के कारण उनके स्वास्थ्य की स्थिति खतरनाक बनी हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि फ्रांसिस के सामने मुख्य खतरा 'सेप्सिस' है, जो रक्त का एक गंभीर संक्रमण है।

एमपी हरियाणा समेत कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में सैलानी फरवरी के महीने में भी बर्फबारी का मजा ले रहे हैं। उत्तर भारत के कई राज्यों में एक बार फिर मौसम बदलने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली-पनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश और पंजाब में बारिश होने के आसार हैं।

फिर से एक्टिव हुआ पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत के कई राज्यों में पश्चिमी विक्षोभ का असर मंगलवार से दिखना शुरू होगा। बुधवार से शुक्रवार के बीच बारिश होने का अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को मौसम साफ रहेगा। दिन में धूप खिली रहेगी। न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। मंगलवार और बुधवार (25-26 फरवरी) को दिल्ली-पनसीआर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कई जिलों में हल्के बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार और शुक्रवार (27-28 फरवरी) को बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, गाजियाबाद, बागपत, हापड़, मुजफ्फरनगर जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। हरियाणा में 26 से 28 फरवरी के बीच हिप्सर, रोहतक, और करनाल जैसे इलाकों में बारिश होने का अनुमान है। पंजाब से सटे क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बूंदाबादी की संभावना है। 28 फरवरी के बाद मौसम धीरे-धीरे साफ होगा। मध्य प्रदेश में 26 से 28 फरवरी के बीच भोपाल, ग्वालियर, और इंदौर जैसे शहरों में हल्की बारिश के आसार हैं। 26 फरवरी को जबलपुर और उज्जैन में भी बूंदाबादी हो सकती है।



परीक्षा केंद्र के बाहर फायरिंग, बेटी को पेपर दिलाने प्रेमी के साथ पहुंची महिला प्रेमी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से एक चौकाने वाली घटना सामने आई है। एक पति ने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस घटना में आरोपी की पत्नी की मौत हो गई। वहीं, पत्नी का प्रेमी अस्पताल में भर्ती है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी शंकर प्रसाद और सीओ सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में लगी हुई है।

दरअसल, बुलंदशहर के थाना खानपुर के गांव खिदरपुर में इंटर कॉलेज के बाहर सावित्री की पत्नी प्रेमी के साथ अपनी बेटी को हाई स्कूल के पेपर दिलाने आई थी। परीक्षा देने के लिए बेटी स्कूल के अंदर चली गई, इस दौरान सावित्री के पति और देवर स्कूल के बाहर पहुंचे और उस पर एवं उसके प्रेमी पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सावित्री को मृत घोषित कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि सावित्री अपने प्रेमी के साथ एक साल पहले घर से भागकर चली गई थी। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी सीओ सहित आला



अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायल प्रेमी का इलाज किया अस्पताल में चल रहा है। पुलिस पंचनामा भरकर सावित्री के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। वहीं, अब पुलिस ने परिवार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है। प्रेमी सतीश ने जानकारी देते हुए बताया कि सावित्री की बेटी को पेपर दिलाने के लिए आए थे। इस दौरान सावित्री का देवर और पति नरेश पाल वहां पर आए और उन पर अचानक फायरिंग कर दी। वहीं, एसएसपी श्लोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आज खानपुर थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा महिला और पुरुष पर गोली चलाई गई है, इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

'नेता प्रतिपक्ष अब समाजवादी से सनातनी हो गए हैं'

सीएम योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विधानसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता समाजवादी से सनातन धर्म को अपनाते लगे हैं। चर्चा में 146 सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिसमें सत्ता पक्ष के 98 और विपक्ष के 48 सदस्य शामिल थे। सीएम योगी ने कहा, -यह देखकर अच्छ लग कि विपक्ष के नेता अब सनातन धर्म को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को भी इस बारे में बताया।



यह संवैधानिक है, तो फिर असंवैधानिक क्या है? विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, -आप लंबे-लंबे भाषण देते टिप्पणियों पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछ, -आप हमेशा संविधान को अपने साथ लेकर चलते हैं, लेकिन क्या राज्यपाल के प्रति आपका व्यवहार संवैधानिक है? अगर

और अयोग्य को स्वीकार कर लिया है। हकीकत यह है कि समाजवादियों को धर्म की याद तभी आती है जब वे खुद को राजनीतिक अस्तित्व के आखिरी पड़ाव पर पाते हैं। उन्होंने आगे कहा, -इस बार आपने महाकुंभ में हिस्सा लिया, बुकी लगाई और व्यवस्थाओं की तारीफ भी की। अगर महाकुंभ में विश्वस्तरीय सुविधाएं नहीं होती तो 63 करोड़ श्रद्धालु कैसे आते? 26 फरवरी तक यह संख्या 65 करोड़ से अधिक हो जाएगी। सीएम योगी ने भारत में सनातन धर्म को मजबूत उपस्थिति को दोहराते हुए कहा कि देश की 144 करोड़ आबादी में से 110 करोड़ लोग सनातन परंपराओं का पालन करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार सनातन धर्म के साथ-साथ बौद्ध धर्म, जैन धर्म और अन्य आध्यात्मिक संप्रदायों के पुनरुद्धार की दिशा में काम कर रही है।

जबलपुर में भीषण सड़क हादसा, महाकुंभ से लौट रहे छह लोगों की मौत

जबलपुर (एजेंसी)। जिले के सिहोर तहसील के पहरेवा में भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हैं। जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह ये भीषण सड़क हादसा, रू-7 पर खिलौला थाने के पहरेवा गांव के नजदीक हुआ। यात्री बस और एक एसयूवी कार के बीच हुई जोरदार टक्कर में एसयूवी कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जबलपुर रेफर किया गया है। प्रयागराज के महाकुंभ में सनातन और दर्शन कर श्रद्धालु गाड़ी से लौट रहे थे कि सोमवार की तड़के 4.30 उन्की गाड़ी भीषण सड़क हादसे की शिकार हो गई। ये सभी श्रद्धालु कर्नाटक के रहने वाले थे और अपने घर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही सिहोर-खिलौला की पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की पड़ताल कर रही है।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत गाड़गे जी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाज सुधारक संत गाड़गे जी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स में लिखा है कि संत गाड़गे जी महाराज का समाज सुधार, शिक्षा, स्वच्छता और सेवा के प्रति अद्वितीय योगदान लोक कल्याण की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत गाड़गे जी द्वारा तत्कालीन समाज में फैले अंधविश्वास, आडंबर, रूढ़ियों, कुरीतियों और दुर्व्यसनों के खिलाफ जागरूकता लाने के सद्व्यवसायों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संत गाड़गे जी के विचार और आदर्श अनंतकाल तक समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि संत गाड़गे जी महाराज ने अपने जीवन में समाज सुधार, विशेष रूप से स्वच्छता व शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उनके विचार और योगदान आज भी प्रासंगिक होकर समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

इम्यूवट फीवर-भोपाल में निवेश बढ़ने से तेजी से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। सेज ग्रुप की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, शिवानी अग्रवाल ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर कहा, मैं इस बात से बेहद उत्साहित हूँ कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (तबूट) पहली बार हमारे शहर में आयोजित हो रही है। इस समिट के कारण भोपाल में पहले से ही ग्रोथ और डेवलपमेंट देखने को मिल रहा है। इसके बाद यह सिलसिला और तेज होगा। इस आयोजन के जरिए देश-विदेश के बड़े उद्योगपति और डेवेलपर्स भोपाल आ रहे हैं। यहां निवेश बढ़ने से रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। मेरा मानना है कि सबसे बड़ा प्रभाव मैयूफैक्चरिंग सेक्टर पर होगा, क्योंकि यह सेक्टर सबसे ज्यादा नौकरियां उत्पन्न करता है। इसके विकास से अन्य सेक्टर भी आगे बढ़ेंगे, जिससे भोपाल का समग्र औद्योगिक और आर्थिक विकास संभव होगा। पहले भोपाल को सिर्फ गैस कांड के कारण याद किया जाता था, लेकिन अब यह शहर तेजी से बदल रहा है। इसकी खूबसूरती, कनेक्टिविटी और शांत वातावरण इसे एक आदर्श निवेश गंतव्य बनाते हैं। अब युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपनी स्किल्स को और बेहतर बनाएं, ताकि यहाँ आने वाली नई इंस्ट्रुमेंट को कुशल मानव संसाधन मिल सके। इस समिट के बाद भोपाल का औद्योगिक और आर्थिक परिदृश्य पूरी तरह बदलने वाला है। हमें इस अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए और मध्यप्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के इस सफर में योगदान देना चाहिए।

आगामी त्योहारों को लेकर भोपाल में सिंधी समाज की बैठक

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। सिंधी मेला समिति ने रविवार को कबोर कुटिया में आगामी त्योहारों के मद्देनजर बैठक का आयोजन किया। बैठक में सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। 16 मार्च को होली मिलन समारोह और पारिवारिक पिकनिक होगा। 23 मार्च को शहीद हेमू कलानी की जयंती मनाई जाएगी। इसी दिन भगवान झूलालाल के जन्मोत्सव चेटीचंड पर 5 किलोमीटर की सिंधी मेरापन का आयोजन होगा। 12 और 13 अप्रैल को दो दिवसीय पारिवारिक सिंधी मेला होगा। मई में सिंधी स्पोर्ट्स मेनिया का आयोजन किया जाएगा। बैठक में समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए अपने विचार रखे। इस अवसर पर सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरजा मौजूद थे। सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी भी उपस्थित थे। बैठक में राजकुमार वाधवानी, राम आसुदानी, कपिल भाटिया, अमर दवानी, दीपक राजानी और महेश बजाज समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। माया पंजवानी, सीमा सबनानी, भावना जगवानी, सिया आसुदानी, पूजा भाटिया और चेतना वाधवानी सहित समिति की महिला सदस्य भी मौजूद रहीं।

स्वच्छ जल, स्वच्छ मन अभियान का तीसरा चरण

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। संत निरंकारी मिशन द्वारा अमृत प्रोजेक्ट के तहत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन के तीसरे चरण का आयोजन विश्वभर में हुआ। इस अवसर पर बैरागढ़ ब्रांच ने खटलापुरा मंदिर से लेकर करिश्मा पार्क छोटा तालाब व झूलालाल विसर्जन घाट पर साफ-सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में संत निरंकारी मिशन के भक्तों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाई। अभियान के दौरान जल के महत्व पर चर्चा करते हुए सतरुग माता सुदीक्षा ने कहा कि पानी अमृत समान है और इसकी स्वच्छता और संरक्षण हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए। संत निरंकारी मिशन के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि यह अभियान केवल एक दिन का नहीं, बल्कि हर महीने विभिन्न जल स्रोतों और घाटों की स्वच्छता के लिए निरंतर जारी रहेगा। इस मुहिम में विशेष रूप से युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित इस सेवा अभियान में 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1650 से अधिक स्थानों पर 10 लाख से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस अभियान में जल बचाव के महत्व को रेखांकित किया गया और यह संदेश दिया गया कि छोटे-छोटे प्रयासों से हम जल बचत कर सकते हैं। इसके साथ ही, ग्लोबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन (लक्ष्यक्षत्र) ने संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन को 2025 के प्रतिष्ठित %वाटर कंजर्वेशन इनिशिएटिव एनर्जीओ ऑफ द ईयर% पुरस्कार से सम्मानित किया।

संभागायुक्त को परमिट देने का अधिकार, 10 साल बाद ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी अब बसों के स्थाई परमिट मिलेंगे

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल सहित प्रदेशभर के विभिन्न रूटों पर बसों की उपलब्धता का रास्ता साफ हो गया है। परिवहन विभाग अब बस ऑपरेटरों को स्थाई परमिट जारी कर सकेगा। इस कड़ी में राज्य सरकार ने 10 साल बाद सदस्यीय रोजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (आरटीए) का गठन कर दिया है। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर विवेक शर्मा ने बताया कि सभी 10 संभागों के संभागायुक्त इस अथॉरिटी के हेड होंगे। बसों के पेंडिंग परमिट की सुनवाई कर अलॉटमेंट दे सकेंगे। 2015 से 2019 तक परिवहन विभाग के डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को बसों के स्थाई परमिट देने के अधिकार रहे हैं। 2019 में हाई कोर्ट के निर्देश के बाद डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर से यह अधिकार छिन गए थे। नई व्यवस्था के तहत अब बसों के लिए जो स्थाई परमिट जारी होंगे, उनकी अवधि पांच साल के लिए होगी। इंदौर संभाग में 1,488, जबलपुर में 1,232, ग्वालियर में 1,265, उज्जैन में 1,188 और भोपाल संभाग में 835 परमिट लंबित हैं। वहीं, चंबल में सबसे कम 345, शहडोल में 395 और रीवा में 965 स्थाई परमिट पेंडिंग हैं। वहीं पूरे प्रदेश में 9,523 स्थाई परमिट पेंडिंग हैं।



बैरागढ़ में सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। बैरागढ़ निजी मोटर्स कंपनी के शोरूम में सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन किया गया।

लोगों ने भाग लिया। कंपनी प्रमुख मनोज गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में अग्निहोत्र यज्ञ की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण से उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों में यह यज्ञ लाभदायक है। गुप्ता ने चिंता व्यक्त की कि पानी, हवा और भूमि में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव जीवन खतरे में पड़ सकता है। बता दें कि माधव आश्रम भोपाल 1963 से अग्निहोत्र यज्ञ का प्रचार कर रहा है। आश्रम का लक्ष्य है कि प्रत्येक घर में अग्निहोत्र यज्ञ की स्थापना हो। आज भारत और विदेशों में इसे कॉस्मिक हीलिंग टूल के रूप में अपनाया जा रहा है।

भोपाल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के शिवाजी नगर स्थित सेवा भारती आनंद धाम वृद्धाश्रम में आज

दवाएं दी जाएंगी और एक्स-रे, सोनोग्राफी, ईसीजी, नेत्र जांच, बीपी, शुगर और सभी प्रकार की खून की जांच भी मुफ्त की जाएगी। सेवा भारती मध्य भारत प्रांत व यूथ सेवा इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाएगी। शिविर में मेंडिसिन, हड्डी रोग, हृदय रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, शिशु रोग, छाती एवं श्वास रोग, दांत रोग, चर्म रोग, सर्जरी और नाक-कान-गला रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहेंगे। गंभीर मरीजों के लिए आधार कार्ड और समग्र आईडी कार्ड लाना आवश्यक है।

होली पर पर्यावरण बचाने की पहल



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अनूठी पहल की जा रही है। होलिका दहन में लकड़ी की जगह गो-काष्ठ के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण प्रदूषण को कम करना और पेड़ों को कटाई को रोकना है। शहर के 12 प्रमुख समाज और कई संगठन इस पहल में शामिल हुए हैं। गो-काष्ठ संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण समिति के प्रमुख सलाहकार डॉ. मोरेंद्र स्वस्ती के अनुसार, गोकाष्ठ को कपड़े के थैलों में पैक कर जनता को वितरित किया जाएगा। समिति कॉलोनी के अध्यक्षों और रहवासी समितियों से लगातार संपर्क में है। पिछली होली में इस मुहिम का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। शहरवासियों ने 1000 किंटल गो-काष्ठ का उपयोग किया, जिससे लगभग 1000 पेड़ों को कटने से बचाया गया। समिति के सदस्य ममेश शर्मा ने बताया कि भोपाल में 42 से अधिक गो-काष्ठ केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस वर्ष होलिका दहन 13 मार्च को होगा और रंगों का त्योहार 14 मार्च को मनाया जाएगा। जनजागरूकता के लिए नुकड़ नाटक का भी आयोजन किया जाएगा।

सरोजिनी नायडू शासकीय कॉलेज में वार्षिकोत्सव भव्त्या 3 मार्च से



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। सरोजिनी नायडू शासकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में इस वर्ष का वार्षिकोत्सव भव्त्या 3 मार्च से 8 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का नाम भारतीय संस्कृति में

शक्ति की प्रतीक देवी ' भव्त्या ' के सम्मान में रखा गया है। इस विशेष वार्षिकोत्सव का उद्घाटन इस बार एक अनूठी नृत्य नाटिका ' शक्ति रूपा ' से होगा, जो कला और संस्कृति के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा। वार्षिकोत्सव का उद्घाटन

%शक्ति रूपा% नामक नृत्य नाटिका से होगा। इसकी तैयारी के लिए छात्राओं को एक माह की विशेष कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पेशेवर कलाकारों द्वारा छात्राओं को छाऊ नृत्य और करतपुतली नृत्य सिखाया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें स्टैंड-अप कॉमेडी, डूडलिंग, सलाद सज्जा, मेहंदी और ट्रेजर हंट शामिल हैं। नूतन भव्त्या प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। इसमें छात्राओं का चयन उनके बौद्धिक स्तर, शारीरिक फिटनेस और प्रतिभा के आधार पर किया जाएगा। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव कर रही हैं, उनका मानना है कि छात्राओं को कला, साहित्य, संगीत और शिक्षा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता प्राप्त करनी चाहिए। उनका उद्देश्य यह है कि छात्राएं न केवल अकादमिक क्षेत्र में, बल्कि शैक्षिक गतिविधियों में भी अपनी पूरी क्षमता को पहचानें और उसका विकास करें।

गर्मी के मौसम में बिजली का बिल घटाने के आसान तरीके

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। गर्मी के मौसम में अक्सर बिजली बिल बढ़ जाता है, जिसकी वजह कुछ जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल तथा उनके रखरखाव में कमी होती है। जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, वैसे-वैसे ए.सी., कूलर, पंखों का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे में आपका बिजली का बिल ना बड़े, इसके लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कुछ कारगर तरीके सुझाये हैं। ए.सी. इस्तेमाल करने वालों के लिए टिप्स यह है कि वह अपने ए.सी. के टेम्परेचर को 27 डिग्री पर सेट करें। इससे नीचे टेम्परेचर करने पर ए.सी. के कंप्रेसर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ए.सी. ज्यादा देर तक चलता है, इसलिए बिजली भी ज्यादा खर्च होती है और आपका बिल ज्यादा आता है। बेहतर होगा कि ए.सी. के



साथ-साथ कमरे में पंखा भी चलाएं। ए.सी. के एयर फिल्टर को हर 10-15 दिनों में अच्छी तरह धोकर साफ करें। फिल्टर में धूल जमने में आपको पूरी ठंडक नहीं मिलती और आपको ए.सी. ज्यादा देर तक चलाना पड़ता है। ए.सी. वाले कमरों के खिड़की- दरवाजे ए.सी. चलने के दौरान मजबूती से बंद रखें। यदि दरवाजे-खिड़कियों में झिरियां हों तो

के साथ ही कंडेंसर की जांच जरूर कराएँ। पुराने रेगुलेटर की जगह इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर लगाएँ, इससे बिजली कम खर्च होती है। इसी तरह पंखे इस्तेमाल करने के दौरान जरूरी है कि घर के सब पंखों की सर्विसिंग करा लें। खराब कंडेंसर, बाल बेयरिंग इत्यादि को तुरंत बदलवा लें, वहीं पंखे में इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर का इस्तेमाल करें। रेफ्रिजरेटर इस्तेमाल करने में भी सावधानी रखें गर्मी का मौसम शुरू होने के पहले रेफ्रिजरेटर की जांच करा लें। रेफ्रिजरेटर का दरवाजा बार-बार न खोलें। दरवाजा बार-बार खुलने या ज्यादा देर खुला रहने से कंप्रेसर को फ्रिज का टेम्प्रेचर बनाये रखने में ज्यादा मेहनत लगती है। जिससे बिजली की खपत अधिक होगी और बिल बढ़ेगा। एकदम गर्मी गर्म खाना या दूध फ्रिज में न रखें।

8 एकड़ पर बनेगा नया इस्कॉन मंदिर, कोलार में भूमिपूजन

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े इस्कॉन मंदिर %इस्कॉन कोलार% का भूमिपूजन रविवार 2 मार्च को कोलार में होगा। इस्कॉन भोपाल बोवायसी के अध्यक्ष रसानंद दास प्रभु ने बताया कि मानसरोवर डेंटल कॉलेज के पास स्थित 8 एकड़ हरे कृष्ण लैंड पर भूमिपूजन समारोह होगा। इस समारोह में भाग लेने के लिए वर्ल्ड वाइड इस्कॉन के प्रमुख और गवर्निंग बोर्डी कमिश्नर (लक्ष्म) गुरुप्रसाद स्वामी महाराज पहली बार भोपाल आ रहे हैं। उनके साथ इस्कॉन मध्यप्रदेश के प्रभारी एवं जोनल सेक्रेटरी महामनदास प्रभु उपस्थित होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालिनी राय, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष भगवानदास सबनानी



सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ गोपूजन और इस्कॉन के संस्थापकाचार्य श्रील प्रभुपाद की आरती से किया जाएगा। इसके बाद 2 मार्च रविवार की सुबह 7.30 बजे भूमि को पवित्र करने व सभी देवी-देवताओं के आह्वान के साथ हवन-यज्ञ किया जाएगा। परमपूज्य गुरुप्रसाद स्वामी महाराज एवं महामनदास

प्रभुजी अनंत शेष की स्थापना करेंगे। रसानंद प्रभु ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार पृथ्वी माता अनंत शेष के फन पर विराजमान हैं। अनंतशेष भगवान कृष्ण का गुणगान अपने अनंत मुखों से करते हैं। हम भी ऐसा मानते हैं कि मंदिर की ये भूमि भी अनंत शेष के फन पर है। अतः वे इस भूमि को सदा प्रकार से रक्षा करेंगे। हवन-यज्ञ के लिए मायापुर-वृंदावन और जगन्नाथपुरी से

पुरोहित आएंगे। भूमिपूजन महोत्सव के पहले शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर मंदिर के भक्त रोज हरिनाम संकीर्तन कर नारावासियों को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। भक्त हरे कृष्ण... महामंत्र का कीर्तन एवं प्रसादम देकर आमंत्रण पत्र दे रहे हैं। इस्कॉन गर्ल फोरम (आईजीएफ) की सदस्यों द्वारा फूलों की रंगोली बनाई जाएगी। इसमें रंगोली के अलावा तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूलों का उपयोग किया जाएगा। रंगोली में कृष्ण लीलाओं को दिखाया जाएगा। फूलों की रंगोली के लिए विभिन्न प्रकार के फूलों का ऑर्डर किया गया है। भूमिपूजन के पावन अवसर पर मग्न के विभिन्न शहरों में स्थित इस्कॉन के मंदिर और सेंट्रों से विभिन्न कीर्तन पार्टियां हरिनाम का कीर्तन करेंगी।

दादी ने कहा- परिवार का नाश होगा, इसलिए मार डाला आरोपी बोला- 6 महीने में तीन लोगों की जान गई, वह टोना-टोटका करती थीं

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्रा)। सीधी में 19 फरवरी को बुजुर्ग महिला की जादू-टोने के शक में पांच लोगों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में नाबालिग समेत सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला के देवर के बेटे हैं। दो दिन की रिमांड के बाद शनिवार को आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। तीन आरोपी महाराष्ट्र के बरसावा में सिक्कोरिटी गाई हैं। वहीं, एक आरोपी गुजरात में मजदूरी करता है। पुलिस को पृथक् आरोपियों ने जो कहानी बताई, वह चौंका देने वाली है। आरोपी ने बताया कि पिछले साल घर में कुछ ही दिन में तीन लोगों की मौत हुई थी। तब बड़ी दादी ने कहा था कि पूरे परिवार का नाश होगा। अभी पांच लोग मरे, इसलिए उन्हें ही मार डाला। उसने जादू-टोना किया था। एसपी रविंद्र वर्मा से बात कर पूरे मामले को समझा।

घर में घुसकर महिला को खींचकर ले गए: एसपी ने बताया कि कुस्मी थाना क्षेत्र के ग्राम पिरहा में रहने वाली चिरोंजिया सिंह (80) अपने पति और बेटों के साथ रहती थीं। 19 फरवरी की रात करीब 8 बजे ग्राम मेडरा से आए दिलीप,



संतोष, अजय सिंह, इंद्रभान सिंह और 16 साल का आरोपी महिला के घर में घुस गए। पति मान सिंह के सामने आरोपी उसे घर से एक किलोमीटर दूर पिरहा मोहल्ले में ले गए। यहां इतना पीटा कि उसने दम तोड़ दिया। जानकारी मिलने पर चिरोंजिया का बेटा उदयभान सिंह और पोता पृथ्वीराज सिंह मौके पर पहुंचे, तो आरोपियों ने उनसे भी मारपीट की। गंभीर रूप से घायल दोनों लोग अस्पताल में भर्ती हैं। सभी आरोपी महिला के देवर के बेटे हैं।

नाबालिग आरोपी ने बताया-टोने-टोटके का शक था: को पृथक् आरोपी ने बताया, मैं पिरहा गांव का रहने

वाला हूं। पिछले आठ महीने में परिवार में तीन लोगों की अलग-अलग कारणों से मौत हो गई। जून 2024 में 18 साल के भतीजे विपिन को अचानक उल्टियां हुई। उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद नवंबर 2024 में चाची सावित्री बाई (36) को अचानक तेज बुखार आया। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके तीन महीने बाद 16 फरवरी 2025 को मझले भाई समर बहादुर सिंह (19) को महाराष्ट्र में तबीयत बिगड़ गई। उसे अचानक खून की उल्टियां होने लगीं। थोड़ी देर बाद मौत हो गई। शव को गांव लाकर 17 फरवरी को अंतिम

संस्कार किया। इसी दिन बड़ी दादी चिरोंजिया ने घर आकर कहा था कि अभी तो तीन मौत हुई हैं, दो और होना बाकी हैं। पांच लोग मरे। पूरे परिवार का नाश होगा। हमारा माथा ठनका। लगा कि कहीं बड़ी दादी ने जादू-टोना तो नहीं किया। इसके अगले ही दिन 19 फरवरी को बड़ी भाभी राजकली को अचानक तेज बुखार आ गया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। एक बार फिर बड़ी दादी की बात याद आई। अब यकीन हो गया। हालांकि बड़ी भाभी की तबीयत ठीक है। हमने उन्हें सबक सिखाने की ठान ली। पिता इंद्रभान सिंह ने पूरी योजना बनाई। चूंकि उन्होंने भाभी का दाह संस्कार किया



दिलीप सिंह, आरोपी



संतोष सिंह, आरोपी

था, इसलिए वह हमारे साथ नहीं गए। दादी को दम तोड़ने तक लाठी-डंडों से पीटा: 19 तारीख की शाम करीब 7:30 बजे मैं, मामा अजय कुमार सिंह, भाई दिलीप सिंह, छोटे मौसा संतोष सिंह ग्राम मेडरा में अलग-अलग बाइक से बाबा मान सिंह के घर पहुंचे। सभी के सिर पर खून सवार था। हमने घर में घुसकर गाली-गाली शुरू कर दी। अंदर से मान सिंह निकला। उसे थप्पड़ जड़ दिया। संतोष सिंह और अजय सिंह ने मारपीट की। सभी ने दादी को वहां से घसीटते हुए बाइक पर बिठाया और पिरहा ले आए। यहां लाठी डंडों से दम तोड़ने तक पीटाई करते रहे।

घर आकर कहती थी-

परिवार का नाश हो जाएगा: आरोपी अजय सिंह ने पुलिस को बताया कि मेरी 32 डिस्मिल जमीन पर मान सिंह और उनके परिवार के लोगों ने घर बना रखा है, जबकि उसका पट्टा मेरे नाम पर है। जब मेरे यहां लगातार मौतें हो रही थीं, चिरोंजिया बाई ने कई बार घर का नाश हो जाएगा। सभी लोगों की मौत हो जाएगी। हाल में 18 फरवरी को भी घर आकर यह बात कही थी।

चाचा के परिवार ने किया हमला: मृतक महिला के बड़े बेटे उदयभान सिंह ने बताया, चाचा के पोते समर बहादुर सिंह की एक दिन पहले महाराष्ट्र में मौत हुई थी।

हरिओम हत्याकांड के दो और नाबालिग आरोपी गिरफ्तार होली के दिन गोली मारकर की थी हत्या, अब तक 23 को भेजा जेल



मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्रा)। छतरपुर में पिछले साल होली के दिन हुई हरिओम शुक्ला की हत्या के मामले में सिटी कोतवाली और नौगांव थाना पुलिस ने सोमवार को दो और नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन्हें बाल सुधार गृह भेजा जा रहा है।

घटना 25 मार्च को महोबा रोड स्थित आरटीओ कार्यालय के पास हुई थी। जमीनी विवाद के चलते हरिओम शुक्ला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अब तक 5 नाबालिग समेत 23 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर ने बताया कि घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। साक्ष्य, गवाहों के बयान और चिकित्सकीय रिपोर्ट

घर तक जाने वाले सरकारी रास्ते पर बना रहे पिलर युवक से की मारपीट, पुलिस कार्रवाई पर सवाल, एसपी कार्यालय पहुंचा



मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्रा)। छतरपुर के लवकुशनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मढ़ा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। कुछ लोगों द्वारा शासकीय जमीन पर कब्जा कर आम रास्ते को बंद किया जा रहा है। पीड़ित आशाराम अनुरागी के अनुसार, शंकर पटेल, भाईलाल पटेल, रामसजिवन, छोटे पटेल और चुन्ना पटेल उनके घर तक जाने वाले सरकारी रास्ते पर पिलर बना रहे हैं। रविवार को जब आशाराम ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर दी। आरोपियों के नाम शिकायत में दर्ज नहीं: मारपीट की शिकायत लेकर आशाराम लवकुशनगर

12 हजार के इनामी पिता-पुत्र गिरफ्तार, पुलिस टीम पर हमला और हत्या के प्रयास के आरोपी, कोर्ट ने भेजा जेल



मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्रा)। छतरपुर में बमीठा पुलिस ने दो वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी विशाला अहिरवार और उसका बेटा कल्लू उर्फ अरविंद अहिरवार हैं। दोनों ग्राम झमटली के रहने वाले हैं। यह मामला 2021 का है। तब झमटली में आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला किया था। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया था। पुलिस अधीक्षक ने दोनों आरोपियों पर तीन-तीन हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है: बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष श्रोनिय ने बताया कि इस केस में पहले 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दोनों आरोपियों पर अन्य मामलों में भी कोर्ट ने 2024 में तीन स्थायी वारंट जारी किए थे। इन वारंटों पर भी 6 हजार रुपए का इनाम था। इस तरह कुल 12 हजार रुपए के इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल कल शहडोल आंग्रे यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे, धुरवार गांव में करेंगे भोजन

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्रा)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल मंगलवार को शहडोल जिले का दौरा करेंगे। वे सुबह 9 बजे भोपाल स्टेट हैंगर से निकलेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर से शहडोल के जमुई हेलीपैड पहुंचेंगे। राज्यपाल का मुख्य कार्यक्रम पंडित शंभुनाथ शुक्ल यूनिवर्सिटी में होगा। वे सुबह 11:30 से दोपहर 1 बजे तक दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वे ग्राम धुरवार जाएंगे। यहां वे पीएम जनमन आवास योजना के लाभार्थियों से मुलाकात करेंगे। एक लाभार्थी के

कुएं से मिला पीएससी परीक्षार्थी का शव

तीन दिन से थी लापता, दो बार मेन्स क्वालिफाई किया, सीसीटीवी फुटेज से पता चला

मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्रा)। छतरपुर के टौरिया मोहल्ले में सोमवार को कुएं से 29 वर्षीय युवती का शव बरामद हुआ है। मृतका की पहचान तिलक अनुरागी के रूप में हुई है। वह पिछले तीन दिनों से लापता थी। उसने 21 फरवरी की सुबह 5:00 बजे कुएं में छलांग लगाई थी, सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम ने बाँड़ी निकाली।

तिलक के परिवार वालों ने सिटी कोतवाली थाने और एसपी कार्यालय में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवार के अनुसार तिलक मानसिक रूप से बीमार चल रही थी और ग्वालियर में उसका इलाज चल



रहा था। दो बार पीएससी में संक्षिप्त परीक्षा पास कर चुकी थी। 17 फरवरी को भी उसने पीएससी की परीक्षा दी थी। हालांकि, डॉक्टरों ने उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए पढ़ाई से दूर रहने की सलाह दी थी।

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्रा)। अनूपपुर जिले में एक शख्स ने सोमवार को अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। घटना बिजुरी थाना क्षेत्र की है। महिला का शव ओवरब्रिज के नीचे मिला। आरोपी पति जागेश्वर अग्रिया फरार है।

पुलिस के मुताबिक, 23 फरवरी को रानी अग्रिया अपनी मां राम बाई के साथ छत्तीसगढ़ के चिरमिरी में एक पारिवारिक कार्यक्रम में गई थी। वहां से वह अपनी मां के साथ वापस बिजुरी लौट आई और पति जागेश्वर को चिरमिरी में ही छोड़ दिया। इससे नाराज होकर जागेश्वर ने रानी के सिर के पिछले हिस्से में कुल्हाड़ी से

कुल्हाड़ी से पत्नी की हत्या कर पति फरार

पारिवारिक कार्यक्रम में छग में छोड़कर आ गई थी, इससे नाराज था पति

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्रा)। अनूपपुर जिले में एक शख्स ने सोमवार को अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। घटना बिजुरी थाना क्षेत्र की है। महिला का शव ओवरब्रिज के नीचे मिला। आरोपी पति जागेश्वर अग्रिया फरार है।

पुलिस के मुताबिक, 23 फरवरी को रानी अग्रिया अपनी मां राम बाई के साथ छत्तीसगढ़ के चिरमिरी में एक पारिवारिक कार्यक्रम में गई थी। वहां से वह अपनी मां के साथ वापस बिजुरी लौट आई और पति जागेश्वर को चिरमिरी में ही छोड़ दिया। इससे नाराज होकर जागेश्वर ने रानी के सिर के पिछले हिस्से में कुल्हाड़ी से



वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मृतका के परिजनों के अनुसार, जागेश्वर शराब के लिए रोज पैसे

मांगता था। इस बात को लेकर दोनों में अक्षर विवाद होता था। आरोपी, पत्नी के चरित्र पर भी शक करता था, उसके साथ मारपीट करता था।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

बाइक चोर सीसीटीवी में हुआ था कैद, पुलिस ने कोर्ट में किया पेश, जेल भेजा

मीडिया ऑडिटर, पन्ना (निप्रा)। पन्ना कोतवाली थाना क्षेत्र के बन्देव चौक से चोरी हुई बाइक का मामला सुलझा लिया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोर को पकड़ लिया है।

21 फरवरी को बुजुर्ग निवासी आशीष कुमार जैन ने अपनी बाइक (एमपी-35-एमजी-1745) की चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी बाइक बन्देव चौक के पास से चोरी हो गई थी। थाना प्रभारी रोहित मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज के आधार पर



एनएमडीसी कालोनी, मुडिया पहाड़ निवासी 44 वर्षीय आशीष श्रीवास्तव को हिरासत में लिया गया। पृथक् आरोपी ने चोरी की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। 24 फरवरी को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

चलते ट्रक से कोयले की चोरी, वारदात को अंजाम देते वाहन से गिरा युवक, इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्रा)। शहडोल में सोमवार सुबह करीब 7 बजे स्थिर अम्पलाई ओसीएम में कोयला चोरी के दौरान एक युवक की गिरने से मौत हो गई। युवक को सिर में गंभीर चोट लगने के बाद जिला अस्पताल लाया गया। यहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां पर इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। घटना धनपुरी थाना क्षेत्र में सिलपुरी गांव की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।



चोरी के दौरान ट्रक से नीचे गिरा था: दरअसल, मृतक रज्जू बैंग

निवासी सिलपुरी गांव ने अपने करीब 4-5 साथियों के साथ ट्रक से कोयला

चोरी करने गया था। चोरी के दौरान ही रज्जू ट्रक से नीचे गिर गया। हादसे के बाद वह में गंभीर रूप से घायल हो गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण वह घंटों तक पड़ा रहा।

इसके बाद राहगीरों ने उसे एक वाहन की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां पर इलाज के दौरान रज्जू की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है, इसके बाद परिजनों को शव को सौंपा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने सिंगल क्लिक से पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त का किया अंतरण

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्रा)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त का देश के 9.81 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि का ऑनलाइन हस्तांतरण किया गया। इस कार्यरत में सीधी जिले के एक लाख 36 हजार 146

किसान परिवार लाभान्वित हुए। कलेक्टर कार्यालय के सभागार कक्ष से उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, तहसीलदार जानहवी शुक्ला, नायब तहसीलदार तीर्थ अक्षरिया सहित हितग्राहियों द्वारा सहभागिता की गई।

आज के कार्यक्रम में जिले के एक लाख 36 हजार 146 कृषकों के खाते में 2 हजार रुपये के मान

से कुल 27 करोड़ 22 लाख 92 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई है। तहसील कुस्मी के 11 हजार 681, गोपद बनास के 24 हजार 548, चुरहट के 13 हजार 177, बहरी के 15 हजार 403, मडौली के 25 हजार 273, रामपुर नैकिन के 27 हजार 73 तथा सिहावल के 18 हजार 991 कृषकों के खाते में राशि अंतरित की गई है।

बोर्ड परीक्षाओं में रखें कड़ी निगरानी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्रा)। कलेक्टर ने कहा कि 25 फरवरी से जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं सम्पन्न होंगी। सभी बोर्ड परीक्षाओं की सुविधा बनी रहे तथा शान्तिपूर्ण ढंग से निर्विघ्न परीक्षाएं सम्पन्न हों। जिले में पेपर लीक या सामूहिक नकल जैसी घटनाएं नहीं हों। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को बोर्ड परीक्षाओं के दौरान कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से, 65 केन्द्रों में होगी परीक्षा, सभी तैयारियां पूर्ण

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्रा)। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी एल मिश्रा ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से प्रारम्भ होगी। कूल 65 परीक्षा केन्द्रों में 11955 परीक्षार्थी हिन्दी विषय की परीक्षा देंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी निर्देश अनुसार कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में और अंशुमन राज मुख्य कार्यालय अधिकारी जिला पंचायत सीधी के मार्गदर्शन में

कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित होगी। सभी परीक्षा केन्द्र में केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं कलेक्टर प्रतिनिधि की डिप्टी लगाई गई हैं। 7 अतिसंवेदनशील एवं 13 संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों में प्रेक्षक की डिप्टी लगाई गई हैं। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु परीक्षा नकल रोकने 16 उड़न दस्ता पैनल गठित किये गये हैं।

कंट्रोल रूम: जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक निराकृत करायें: कलेक्टर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्रा)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की गई। गत माह शिकायतों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी विभाग प्रमुख शिकायतों के निराकरण की प्रतिदिन समीक्षा करें तथा शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग अपनी रैंक को सुधारने में ध्यान केंद्रित करें। गत माह शिकायतों की निराकरण की स्थिति



के आधार पर स्वास्थ्य विभाग के एल। अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बैठक में बिना पूर्व सूचना के

अनुपस्थित रहने पर कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम

अंतर्गत समय-सीमा बाध्य प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया है कि आगामी 15 दिवस में अभियान चलाकर सभी प्रकार के लंबित प्रकरणों का

निराकरण सुनिश्चित करें। आगामी समीक्षा में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर संबंधितों के विरूद्ध नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी।

इम्प्लाय्ड प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन के निर्देश: कलेक्टर ने सभी डीडीओ तथा कार्यालय प्रमुख को निर्देशित किया है कि अपने अधीन पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की इम्प्लाय्ड प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन करके आधार संख्या से लिंक कराएं। सभी शासकीय कर्मचारी इम्प्लाय्ड सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी सगाई आईडी को दर्ज कर सत्यापित कर

सकते हैं। शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा 28 फरवरी 2025 तक सभी कर्मचारियों की इम्प्लाय्ड प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन करायें। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा सभी असफल भुगतानों, एनपीएस के मिसिंग रीडिट, डीपीएफ भुगतान एवं ईएसएस प्रोफाइल में नामिनी के विवरण अद्यतन करने संबंधी कार्यवाही आगामी एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



घर दोपहर का भोजन भी करेंगे। धुरवार में एक घंटे का प्रवास करने के बाद वे दोपहर 2:15 बजे जमुई हेलीपैड के लिए रवाना होंगे। वहां से छतरपुर जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।

विचार

अश्लीलता एक बहाना, सोशल मीडिया पर है रोक लगाना

डिजिटल सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर अश्लीलता और हिंसा दिखाए जाने की शिकायतों को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जल्द ही सोशल मीडिया पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सरकार नया कानून बनाने जा रही है। इस बार सरकार को कोर्ट का भी सहारा मिलने जा रहा है। नैना के यूट्यूब कार्यक्रम इंडियाज गोट लेटेस्ट में रणवीर इलाहाबादिया की अभद्र टिप्पणियों को लेकर देशभर में इस तरह के कार्यक्रमों पर रोक लगाने की बात की जा रही है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जिस तरह से अश्लील वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं, उसको लेकर भी आम जनता में रोष है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने अश्लीलता और हिंसक वीडियो को रोकने के लिए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सरकार के लिए यह मौका है, जब सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए कानून को अपनी मनमर्जी से पास करा सकती है। इसके पहले भी सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर सेंसरशिप लगाने के प्रयास किए गए थे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण को लेकर विरोध के कारण सरकार को तब सफलता नहीं मिली थी। अब खुद न्यायालय द्वारा सरकार से सोशल मीडिया के इस तरह के प्लेटफार्म पर कानून बनाने और उस पर नियंत्रण करने की बात कही गई है। इससे केंद्र सरकार को एक नया मौका मिल गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह मामला संसदीय समिति की ओर भेज कर समाज में बढ़ रही हिंसा, यूट्यूब, गुगल, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म के लिए कानून बनाने के लिए समिति से सलाह मांगी है। सोशल मीडिया के जरिए किस तरह से संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसको रोकने के लिए कानून में क्या प्रावधान किए जाएं? इसको लेकर सरकार का सूचना प्रसारण मंत्रालय सक्रिय हो गया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में हो रही सरकार की आलोचनाओं तथा सोशल मीडिया में आम नागरिक पत्रकार बनकर वीडियो डालकर जो सत्य उजागर कर रहा है। इससे सरकार और प्रशासन की मुश्किलें बढ़ रही हैं। सरकार सोशल मीडिया पर सबको रोकना चाहती है। हाल ही में महाकुंभ और दिल्ली की रेलवे स्टेशन में जो भगदड़ की घटनाएं हुई हैं। नागरिकों ने घटना के जो वीडियो बनाए थे। वह सोशल मीडिया में डाल दिए। जिसके कारण केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। जवाबदेही भी तय होने लगी है। पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को सरकार ने पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया है। सोशल मीडिया पर सरकार कोई नियंत्रण नहीं बना पा रही है। सरकार को लग रहा है, इससे अच्छा मौका दोबारा नहीं मिलेगा।

सनातन धर्म में अष्ट चिरंजीवियों की गौरवगाथा

1. अश्वत्थामा- अश्वत्थामा द्रोणाचार्य के पुत्र थे। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार अश्वत्थामा के माथे (ललाट) पर एक विशेष प्रकार की मणि थी, जिसके कारण उन्हें भूख, प्यास तथा थकान नहीं लगती थी। उस अभूतपूर्व मणि के कारण उन्हें अमरत्व का वरदान प्राप्त था। अश्वत्थामा को शिवजी का पाँचवाँ अवतार माना जाता है। कथन है कि अश्वत्थामा ने उरा के गर्भ को नष्ट करने की योजना बनाई और ब्रह्मास्त्र से उस गर्भ की हत्या कर दी। इतना ही नहीं अश्वत्थामा ने द्रौपदी के पाँचों पुत्रों की भी हत्या कर दी। इस घटना से भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें शाप दिया था कि वे विश्व में हमेशा घूमते रहेंगे और इधर-उधर भटकते रहेंगे। कहा जाता है कि उनके माथे (ललाट) पर एक घाव है। वे शिव मंदिरों में पूजन के लिए जाते रहते हैं। किंवदन्ती है कि बुरहानपुर के आसपास के जंगलों में वे घूमते रहते हैं। अश्वत्थामा की अमरता आनन्दमयी नहीं है। उनकी अमरता दुःखमय और कष्टपूर्ण जीवन का प्रतीक है।



अश्वत्थामा बड़े पराक्रमी और धनुर्विद्या में पारंगत थे। द्रोणाचार्य ने अपनी पत्नी कृपी के साथ हिमालय की कंदराओं में तप किया था तो भगवान शिव ने उन्हें शक्तिशाली, तेजस्वी व बलवान पुत्र होने का वरदान दिया था। इसके प्रभाव से अश्वत्थामा का जन्म हुआ।

2. बलि- राजा बलि तीनों लोकों के राजा थे। देवतागण इस बात से बड़े परेशान थे। अपनी समस्या के समाधान के लिए वे माता अदिति और कश्यपजी के पास पहुँचे। कश्यपजी ने अदिति को एक व्रत करने की सलाह दी। इस व्रत के प्रभाव से वामन भगवान का जन्म हुआ। वे राजा बलि के पास तीन पग भूमि लेने के लिए पहुँचे। राजा बलि अपनी दानशीलता के लिए प्रसिद्ध थे। शुक्याचार्य दैत्यों के गुरु थे। वे वामन भगवान को पहचान गए कि वे विष्णु का अवतार हैं। वे नहीं चाहते थे कि राजा बलि तीन पग भूमि दान देने का संकल्प ले इसलिए वे कमण्डल में छुप कर बैठ गए। कमण्डल की डंडी छोटी थी अतः एक लघु रूप धारण कर शुक्याचार्य उसमें छुप गए। जल की धारा में व्यवधान से राजा बलि संकल्प न ले सके। अतः राजा ने उस डंडी में एक छोटी लकड़ी डाल दी, जिससे शुक्याचार्य की एक आँख चली गई। वे बाहर आ गए। राजा बलि ने तीन पग भूमि देने का संकल्प ले लिया। एक पग में आकाश लोक, दूसरे में पृथ्वी लोक। तीसरा पग बलि ने अपने सिर पर रखवा लिया। बलि को पाताल लोक का

राजा बना दिया।

3. वेदव्यास- व्यासजी के बारे में कथन है- व्यास वन्दे जगत् गुरुम्।

व्यासजी को भगवान् विष्णु का अवतार माना जाता है। भारतीय संस्कृति के महानतम गुरु में इनकी तुलना की जाती है। इनके पिता का नाम ऋषि पाराशर तथा माता का नाम सत्यवती था।

इन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की है। विद्वानों का मत है कि वेदों का वर्गीकरण करने का श्रेय वेदव्यास को ही प्राप्त है। महाभारत, अठारह पुराण, उपपुराण, ब्रह्म सूत्र आदि प्रसिद्ध ग्रंथों के रचयिता वेदव्यास ही हैं। श्री गणेशजी ने महाभारत ग्रंथ के लेखन कार्य किया। व्यासजी बोलते जाते थे और गणेशजी लिखते जाते थे। इनका जन्म गुरुपूर्णिमा जिसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं को हुआ था। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाती है। व्यास पीठ का पूजन करते हैं। गुरु का स्वागत सत्कार कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

इन्के चार औरस पुत्र थे- शुकदेव, धृतराष्ट्र, पांडु, विदुर। विदुर की माता दासी होने से वे दासी पुत्र कहलाए। ब्रह्माजी ने व्यासजी को अमरत्व का वरदान दिया था।

4. हनुमान- हनुमानजी की भूमिका रामचरितमानस में सीतान्वेषण के कार्य में एक प्रमुख धुरी के समान है।

हनुमानजी के बिना सीता की खोज का कार्य असम्भव-सा प्रतीत होता है। हनुमानजी को माता सीता ने उनके उत्कृष्ट कार्य के लिये चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया था-

मन सन्तोष सुनत कपि बानी।
भगति प्रताप तेज बल सानी॥
आसिष दीन्ह रामप्रिय जाना।
होहु तात बल सील निधाना॥
अजर अमर गुनिनिधि सुत होहु।
करहुँ बहुत रघुनायक छोहु॥
(रामचरितमानस सुन्दरकाण्ड दो. 16/1, 2, 3)
श्रीराम हनुमानजी को भरत के समान भाई मानते थे-
लाय सजीवन लखन जियाये।
श्रीरघुवीर हरषि उर लाये॥
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई॥
(हनुमानचालीसा चौपाई क्र. 6)

हनुमानजी ने ही श्रीराम की सुग्रीव से भेंट कराने का दुष्कर कार्य किया था। लंका में युद्ध के समय लक्ष्मण के अचेत होने पर श्रीहनुमानजी ही सुषेण वैद्य के कहने पर सजीवनी बूटी के लिये पूरा पर्वत ही उठा कर ले आये थे। सुषेण वैद्य ने तत्काल समय पूर्व औषधि देकर लक्ष्मणजी को जीवित कर दिया था। जब तक पृथ्वी पर श्रीरामजी का नाम जपा जावेगा, तब तक हनुमानजी का सामीप्य रहेगा। रामभक्तों के उद्धारक हनुमानजी ही हैं।

5. विभीषण- लंका में एकमात्र रामभक्त विभीषण ही थे। वे रावण के छोटे भाई थे। हनुमानजी ने सीता माता को खोजते हुए एक भवन देखा-

भवन एक पुनि दीख सुहावा।
हरि मन्दिर तहँ भिन्न बनावा॥
(श्रीरामचरितमानस सुन्दरकाण्ड दोहा 4/8)
रामायुध अंकित गृह सोभा बरनि न जाइ।
नव तुलसिका बृंद तहँ देखि हरष कपिराइ॥
(श्रीरामचरितमानस सुन्दरकाण्ड दोहा 5)

हनुमानजी ने देखा कि विभीषण का भवन सुहावना था। वहाँ हरि का मन्दिर था। उस पर श्रीराम का आयुध अंकित था। वहाँ तुलसी लगी हुई थी। घर इससे शोभायमान था। इस दृश्य को देख कर हनुमानजी प्रसन्न हो गए।

जब विभीषण रावण को माता सीता को रामजी को सहर्ष लौटाने की सलाह देने गया तो रावण ने अपने पैरों से उस पर प्रहार कर दिया। फलस्वरूप विभीषण श्रीराम की शरण में चले गए। वहाँ श्रीराम ने उन्हें समुद्र से जल मँगवा कर तिलक करके उन्हें लंका का राजा घोषित कर दिया।

जदपि सखा तव इच्छा नाहीं।
मोर दरसु अमोघ जग माहीं॥
अस कही राम तिलक तेहि सारा।
सुमन वृष्टि नभ भई अपारा॥

(श्रीरामचरितमानस दोहा 48/9, 10 सुन्दरकाण्ड)

विभीषण को ब्रह्मा का वरदान था कि वे आजीवन धर्म का पक्ष लेंगे। समुद्र के देवता वरुण ने विभीषण को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया था।

6. कृपाचार्य- कृपाचार्य की प्रमुख तपस्वियों में गणना की जाती है। वे कौरव तथा पांडवों के गुरु थे। उनके असाधारण कौशल के कारण भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अजर, अमर होने का वरदान दिया था। महाभारत महाकाव्य की एक कथा के अनुसार परशुरामजी द्वारा कृपाचार्य को अमरत्व का वरदान दिया था।

7. परशुराम- परशुरामजी को विष्णु भगवान का छठा अवतार माना जाता है। इनकी सतयुग से लेकर कलयुग तक कथाएँ प्राप्त होती हैं। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार परशुरामजी का जन्म ऋषि मुनिश्री की रक्षा के लिए हुआ था। परशुरामजी के पिता का नाम जमदग्नि तथा माता का नाम रेणुका था। इनका जन्म मध्यप्रदेश के जानापाव नामक स्थान पर हुआ था। वे जाति से ब्राह्मण थे। इनके चार बड़े भाई थे- रुक्मवान, सुषेण, वसु, विश्वासु। परशुरामजी को न्याय का देवता माना जाता है। वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया को इनका जन्म हुआ था। इसे अक्षय-तृतीया भी कहा जाता है। इस दिन परशुराम की जयन्ती समारोहपूर्वक मनाई जाती है। भगवान शिव इनके गुरु थे। ये अपने पिता जमदग्नि के आज्ञाकारी पुत्र थे। एक बार माता रेणुका नदी पर जल लेने गईं। वहाँ उन्होंने ऋषियों को स्नान करते देखा। इस दृश्य से उनका मन विचलित हो गया और उन्होंने घर आने में देरी हो गई। जमदग्नि इस बात से क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने पुत्रों को आदेशित किया वे अपनी माता का सिर काट दें।

भारत बन रहा है ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लीडर

केंद्रीय बजट 2025-26, भारत के ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लीडर बनने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। बुनियादी ढाँचे के विकास, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी पर अधिक ध्यान देने के साथ, इस बार घोषित किया गया केंद्रीय बजट अधिक कुशल, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के लिए मंच तैयार करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की दीर्घकालिक आर्थिक विकास और वैश्विक व्यापार एकीकरण की नींव रखने वाली प्रतिबद्धता पूरी तरह स्पष्ट है। एक मजबूत लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर एक बिना किसी रुकावट वाली सप्लाई चैन को बनाये रखने के लिए अहम है।

बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए 1.5 ट्रिलियन रुपये आवंटित करने का सरकार का निर्णय सही दिशा में एक कदम है। आधुनिक परिवहन नेटवर्क और कनेक्टिविटी सिस्टम ट्रांजिट की देरी को कम करने और व्यवसायों के लिए लागत दक्षता में सुधार करने में एक लंबा रास्ता तय करेंगे। बजट का एक उल्लेखनीय पहलू 25,000 करोड़ रुपये का मेरीटाइम डेवलपमेंट फंड (एमडीएफ) है, जो भारत के जहाज निर्माण उद्योग के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण है। यह पहल विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करने और भारत की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए बनाई गई है। साल 2047 तक भारतीय ध्वज वाले जहाजों के माध्यम से ग्लोबल कार्गो का 20% संभालने का लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन आधुनिक बंदरगाह बुनियादी ढाँचे और शिपिंग टेक्नोलॉजीस में निरंतर निवेश के साथ प्राप्त किया जा सकता है। हालांकि, केवल बुनियादी ढाँचा ही पर्याप्त नहीं

है। वैश्विक मंच पर वास्तव में प्रतिस्पर्धा करने के लिए, भारत को उन्नत लॉजिस्टिक्स सल्यूशंस और ऑटोमेशन में निवेश में तेजी लानी चाहिए। उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ संचालन को सुव्यवस्थित करने से यह सुनिश्चित होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बनाए रखे और प्रतिस्पर्धी बना रहे। बजट के सबसे आशाजनक पहलुओं में से एक सरकार और प्राइवेट प्लेयर्स के बीच बढ़ता सहयोग है। निजी उद्यमों को पीएम गति शक्ति डेटा तक पहुंच प्रदान करना एक प्रगतिशील कदम है जो लॉजिस्टिक्स प्रोजेक्ट्स की बेहतर प्लानिंग, क्राडिनेशन और एक्जिक्यूशन की सुविधा प्रदान करेगा। यह पहल दक्षता में सुधार करेगी, अडचनों को कम करेगी और लागत-प्रभावशीलता को बढ़ावा देगी।

इसके अतिरिक्त, एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन का उद्देश्य लोन और एक्सपोर्ट क्रेडिट सुविधाओं तक आसान पहुंच प्रदान करके एमएसएमई को बढ़ावा देना है। 20 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध होने से, छोटे और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजारों में विस्तार और प्रतिस्पर्धा करना आसान हो जाएगा। एमएसएमई को मजबूत करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे भारत का अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनमें निर्यात को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन की अपार क्षमता है। एयर कार्गो त्वरित और कुशल व्यापार को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बेहतर स्क्रूनिंग, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं और कम टर्नअराउंड समय सहित एयर कार्गो इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर बजट का जोर भारत की व्यापार क्षमताओं को मजबूत करेगा। चूंकि ग्लोबल कॉमर्स तेज गति और दक्षता पर



निर्भर करता है, इसलिए ये सुधार भारत को अंतराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक पसंदीदा हब के रूप में उभरने में मदद करेंगे।

120 नए गंतव्यों को शामिल करने के लिए उड़ान योजना का विस्तार एक और महत्वपूर्ण कदम है। दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों को प्रमुख आर्थिक केंद्रों से जोड़कर, छोटे शहरों और गांवों में व्यवसायों को बड़े बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। आर्थिक समावेशन और आपूर्ति श्रृंखलाओं के सुचारु संचालन के लिए ग्रामीण संपर्क को मजबूत करना आवश्यक है।

लॉजिस्टिक्स उद्योग तेजी से डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहा है, और यह बजट नए जमाने की तकनीकों को अपनाने के महत्व को पहचानता है। डिजिटल फ्रेट सल्यूशंस और डेटा-संचालित निर्णय लेने के एकीकरण से कार्गो की आवाजाही में सुधार होगा, दक्षता में सुधार होगा और लागत कम होगी। निजी संस्थाओं को पीएम गति शक्ति डेटा उपलब्ध कराना एक साहसिक कदम है जो लॉजिस्टिक्स संचालन में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देगा।

नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी (एनएलपी)

और जीएसटी लागू किये जाने ने पहले ही अधिक सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक्स ढांचे में योगदान दिया है। लॉजिस्टिक्स को एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा क्षेत्र के रूप में मान्यता देना भारत की आपूर्ति श्रृंखला संचालन को अधिक कुशल और लागत प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

2025-26 का केंद्रीय बजट भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए एक स्पष्ट और रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करता है। बुनियादी ढाँचे का आधुनिकीकरण, नियमों को सरल बनाने और डिजिटल इनोवेशंस का लाभ उठाकर, भारत खुद को ग्लोबल ट्रेड और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित कर रहा है। ये उपाय देश के मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात-संचालित अर्थव्यवस्था बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

आईआईएम मुंबई में, हम भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने में लॉजिस्टिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। बुनियादी ढाँचे, प्रौद्योगिकी और निजी क्षेत्र के सहयोग में निरंतर निवेश के साथ, भारत लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चैन मैनेजमेंट में ग्लोबल लीडर बनने की राह पर है।

इस बजट में उल्लिखित पहल केवल आर्थिक विकास के बारे में नहीं हैं, वे एक लचीले, भविष्य के लिए तैयार लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के निर्माण के बारे में हैं जो व्यवसायों, उपभोक्ताओं और पूरी अर्थव्यवस्था को लाभान्वित करते हैं। भारत का लॉजिस्टिक्स परिवर्तन शुरू हो गया है, और सही रणनीतियों के साथ, हम इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में ग्लोबल लीडरशिप हासिल करने की राह पर हैं।

हार्डवेयर दुकान में लगी आग, 40 लाख का सामान राख

बालोद में सिलेंडर-ब्लास्ट, कोरबा में चोरों ने घर जलाया, दुर्ग में चलती ट्रक में लगी आग

मीडिया ऑडिटर, कोरबा (एजेसी)। छत्तीसगढ़ में रविवार रात 4 जगहों पर आग लगने की अलग-अलग घटनाएं हुईं। इनमें अंबिकापुर में रात 11:30 बजे हार्डवेयर दुकान में भीषण आग लग गई। इस आग में करीब 40 लाख रूपए का सामान जलकर राख हो गया। इसी तरह बालोद, कोरबा और दुर्ग जिले में भी आग की घटना हुई। वहीं बालोद की बात कर तो नयापारा इलाके में शाम 7:30 बजे एक घर में आग लग गई। इस दौरान सिलेंडर ब्लास्ट हो गया, जिसमें 3 लोग झुलस गए। कोरबा में आदर्श नगर कॉलोनी में चोरों ने चोरी के बाद घर में आग लगा दी। इसके अलावा दुर्ग से उतरते वाले रोड पर धान से भरे ट्रक में अचानक आग लग गई।



फायर ब्रिगेड की टीम को दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू हुई।
परिवार को छत के रास्ते से बाहर निकाला गया: शुभम जैन के परिवार के 5 सदस्यों को छत के रास्ते बाहर निकाला गया। जेसीबी और हाइड्रॉ बुलाकर दुकान का शटर तोड़ा गया। 3 दमकलों ने करीब 4 घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया। आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी।

दूसरा मामला- बालोद में सिलेंडर ब्लास्ट से 3 झुलसे: बालोद के नयापारा इलाके में हरखु राम साहू (58) के घर में अचानक आग लग गई। परिवार और आसपास के लोग आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे, तभी घर में रखा

गैस सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। ब्लास्ट में हरखु राम साहू, उनकी बहु हेमा साहू (30) और पड़ोसी नरेंद्र साहू (43) गंभीर रूप से झुलस गए।
धमाके से सहम उठा पूरा मोहल्ला: धमाका इतना जोरदार था कि करीब एक किलोमीटर तक आवाज सुनाई दी, जिससे पूरा मोहल्ला सहम गया। आसपास के घरों में भी कंपन महसूस किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि धमाके के तुरंत बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए।
फायर स्टेशन बालोद से दूर, लोगों में नाराजगी: फायर स्टेशन शहर से दूर होने के कारण दमकल की गाड़ी करीब एक घंटे देरी से



पहुंची। इस दौरान आग घर में फैल गई। वार्डवासियों ने दमकल की गाड़ी देरी से पहुंचने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दमकल की गाड़ी समय पर पहुंच जाती तो नुकसान कम हो सकता था। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।
तीसरा केस- दुर्ग में ट्रक में लगी आग: दुर्ग से उतरते वाले वाली सड़क पर धान से भरे ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक का अगला केबिन हिस्सा पूरी तरह जल गया। ट्रक चालक रिपल सिंह ने पुलिस को बताया कि वह योटवानी धान खरीदी केरु से 725 बारी धान लोड कर सेलूद स्थित राइस मिल जा रहा था। ट्रक उतरते हुए आग पर काबू पाया। वहीं ट्रक जलकर राख हो गया है।
चौथा केस- कोरबा में चोरों ने घर में लगाई आग: वहीं कोरबा में चोरों ने बीती रात सूते मकान को निशाना बनाया। चोरी के बाद घर

को आग के हवाले कर दिया। पड़ोसियों ने घर से आग की लपटें और धुआं उठता देख फायर ब्रिगेड को सूचना दी। घटना कुसमुंडा थाना क्षेत्र के आदर्श नगर कॉलोनी की है। दरअसल, युवक दिनेश क्राटर नंबर एम 1194 में रहता है, जो बीते कुछ दिनों से शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया हुआ था। दिनेश को उसके पड़ोसियों ने घटना की जानकारी दी। आगजनी से घर में रखे सामान और कई अहम दस्तावेज जलकर राख हो गए। एफडीसीएल के दमकल कर्मी मोहम्मद नबी ने बताया उन्हें कंट्रोल रूम से सूचना मिली। इसके बाद तत्काल मौके पर पहुंचे। देखा कि आग फैल चुकी थी। घर का सारा सामान गर्म हो गया था, जहां पानी छिड़काव कर डंडा किया गया।

डेढ़ करोड़ की अवैध शराब जब्त, झाड़वर गिरफ्तार

जशपुर मीडिया ऑडिटर, रायपुर (एजेसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में डेढ़ करोड़ रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी की गई है। शराब को ट्रक में सीमेंट की बोरीयों के नीचे छिपाकर रखा गया था। ट्रक से 790 पेटियां में कुल 22,536 बोतलों में 7,015 लीटर शराब बरामद किया गया है। यह शराब पंजाब से झारखंड और बिहार भेजी जा रही थी, जिसे जशपुर पुलिस ने दुलदुला थाना क्षेत्र के लोरो घाट के पास पकड़ा है। इस मामले में एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया है।
 जशपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पंजाब से एक 12 चक्का अशोक लील्ड ट्रक (क्रमांक पीबी 11 सीपी 2003) में अवैध अंग्रेजी शराब लोड कर झारखंड और बिहार की ओर भेजा जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ट्रक को ट्रैक करना शुरू किया।

दूसरी पत्नी को मारकर 3 दोस्तों संग जलाई लाश

अफेयर के शक में लात-घूसे मीठ डंडों से पीटा, हाथ-पैर और खोपड़ी समेत कई कंकाल मिले

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (एजेसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पति ने अपनी दूसरी पत्नी को अफेयर के शक में पीट-पीटकर मार डाला। हत्या के बाद सबूत मिलाने के लिए 3 दोस्तों के साथ लाश को जला दिया। गांव के लोगों को हाथ-पैर और खोपड़ी समेत कई कंकाल मिले हैं। मामला का पूरा धाना क्षेत्र का है।



मिली जानकारी के मुताबिक मृतिका का नाम जयमति विश्वकर्मा (40) है, जो कमरई गांव की रहने वाली थी। आरोपी पति का नाम अमृत केरुकुटा (65) है। इसकी पहली पत्नी की पहले ही बीमारी से मौत हो चुकी है। कुछ साल पहले ही अमृत ने गांव की ही जयमति से शादी की थी।
जाति एवम् पूरा मामला: दरअसल, 20 फरवरी की रात को पति-पत्नी दोनों बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान अफेयर के शक को

शोक करने अखराडाड झाबर की ओर गए थे। इस दौरान उन्हें जले हुए पैर के पास कंकाल दिखे, जिससे वह घबरा गए। गांव में आकर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस को गुमराह करता रहा आरोपी: काफ़ थाना प्रभारी नारायण सिंह मरकाम ने बताया कि सूचना मिलते ही हमारी टीम मौके पर पहुंची। जांच करने पर पता चला कि अमृत केरुकुटा की पत्नी गायब है। अमृत केरुकुटा से पूछताछ की गई, लेकिन वह पुलिस को गुमराह करता रहा। पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपी ने बताया कि कंकाल जयमति विश्वकर्मा के ही हैं। पुलिस ने 24 फरवरी को अमृत केरुकुटा को गिरफ्तार किया। साक्ष्य छिपाने में मदद करने वाले साथी फरार हैं। अमृत केरुकुटा को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

तस्करों का पता नहीं, कंटेनर से 10 पेट्टी शराब गायब

निगम चुनाव के पहले पकड़ाया था 1000 पेट्टी शराब, आबकारी अफसरों की भूमिका पर सवाल

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (एजेसी)। बिलासपुर में नगर निगम चुनाव के एक दिन पहले आबकारी विभाग ने एक करोड़ रूपए की 1000 पेट्टी शराब जब्त की थी। इस मामले में झाड़वर और ट्रांसपोर्ट को गिरफ्तार किया है। जबकि, अब तक तस्करों को नहीं पकड़ा गया है। इस मामले में अब कंटेनर से 10 पेट्टी शराब गायब होने का दावा किया जा रहा है। आबकारी विभाग ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। वहीं, इस पूरे मामले में आबकारी अफसरों की भूमिका पर सवाल उठते लगे हैं।
 दरअसल, आबकारी विभाग ने बीते 10 फरवरी को छत्तीना के पास एक कंटेनर को रोक कर तलाशी ली, जिसमें 1000 पेट्टी शराब भरी थी। पूछताछ में पता चला कि शराब गोवा से भूटान भेजी गई थी। झाड़वर शिव



कुमार सेनी ने इसके दस्तावेज दिखाए, जिसकी जांच के बाद आबकारी विभाग ने दस्तावेजों को फर्जी बताया। इस दौरान आबकारी विभाग ने ट्रांसपोर्ट और कार सवार रवि शर्मा को भी पकड़ा था, जो दिल्ली से शराब की डिलीवरी कराने आया था। आबकारी विभाग ने दावा किया कि रवि शर्मा के साथ शराब

किसान सम्मान निधि योजना 19 वीं किस्त जारी 6 करोड़ 23 लाख रुपये 31269 किसानों के खाते में

जिले के पावन भूमि पर 26 को शिव मंदिरों में लगेगा भक्तों का भीड़

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। महाशिवरात्रि भगवान शिव की उपासना का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। यह पर्व फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। वर्ष 2025 में महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन भक्त उपासना रखते हैं, रात्रि जागरण करते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी कृपा प्राप्त करने की प्रार्थना करते हैं। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान का अवसर नहीं बल्कि आत्मचिंतन, साधना और भक्ति से जुड़ा एक विशेष दिन भी है। मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इसी दिन भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा के लिए समुद्र मंथन से निकले कार्मुकट विष को पान किया था जिससे उनका कंठ



नीलवर्ण का हो गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए। इस अवसर पर शिव भक्त उनकी आराधना कर पुण्य अर्जित करने के लिए जल, दूध, बेलापत्र, धतूरा और भांग अर्पित करते हैं। महाशिवरात्रि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। भगवान शिव को योग और ध्यान का अधिपति माना जाता है, इसलिए इस दिन साधक विशेष रूप से ध्यान और

साधना में लीन रहते हैं। यह पर्व अज्ञान को दूर कर आत्मज्ञान की प्राप्ति का संदेश देता है। शिवरात्रि की रात्रि को चार प्रहरों में विभाजित कर विशेष पूजा की जाती है, जिससे साधक अपनी आत्मा को शुद्ध कर सकते हैं। इस दिन भक्तजन उपासना रखते हैं और पूरी श्रद्धा के साथ भगवान शिव की आराधना करते हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवलिंग का जलाभिषेक करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है।
मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में कई ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व के शिव मंदिर हैं जहां 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के दिन भव्य अनुष्ठान होंगे। बिहारपुर जिले के बैरागी से लगभग 12 किलोमीटर दूर, घनघोर जंगल में पहाड़ी के नीचे स्थित जटाशंकर गुफा एक अद्भुत प्राकृतिक स्थल है। जहां शिवलिंग विराजमान हैं, यह गुफा शिव भक्तों के लिए गहरी आस्था का केंद्र है। जिससे यह स्थान और भी दिव्य प्रतीत होता है। घने जंगलों के बीच स्थित होने के कारण यहां का वातावरण अत्यंत शांत और ध्यान साधना के लिए उपयुक्त है। महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आकर भगवान

शिव का जलाभिषेक करते हैं और गुफा में ध्यान साधना करते हैं। इसके साथ ही अमृतधारा जलप्रपात हंसदेव नदी पर स्थित है। यह जलप्रपात लगभग 90 फीट ऊंचा और 15 फीट चौड़ा है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और शिव मंदिर की दिव्यता इस स्थान को विशेष बनाती है। महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेला लगता है और भक्तगण दूर-दूर से आकर जलाभिषेक कर भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने की प्रार्थना करते हैं। जलप्रपात के पास स्थित शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है, जिससे यह स्थान आध्यात्मिकता से भर जाता है।
 वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग 43 से लगभग 1 किलोमीटर अंदर स्थित सिद्ध बाबा पहाड़ श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इस पहाड़ पर केदारनाथ की तर्ज पर एक भव्य शिव मंदिर बनाया जा रहा है, जो आने वाले समय में इस क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक केंद्र बन सकता है। यहां शिवलिंग की स्थापना एक प्राचीन परंपरा के तहत की गई है और महाशिवरात्रि के दिन यहां हजारों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। इसके साथ ही भरतपुर ब्लॉक मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित घघरा गांव का शिव मंदिर ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मान्यता है। लोग बताते हैं कि यहां पर भगवान राम ने अपने वनवास के दौरान इस शिवलिंग की स्थापना की थी। इस कारण यह स्थान रामायणकालीन महत्व रखता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और दूर-दूर से श्रद्धालु यहां भगवान शिव का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं।

इमारती पेड़ों की अवैध कटाई

जंगल से लकड़ी काटकर दो बड़े बना रहे थे फर्नीचर-चौखट, वन विभाग ने किया गिरफ्तार



मीडिया ऑडिटर, बाड़ी में मिला सिलपट और बिलासपुर (एजेसी)। बिलासपुर में जंगल से इमारती पेड़ों को काटकर फर्नीचर और चौखट बना रहे 2 बड़े को वन विभाग ने पकड़ा है। इस दौरान मकान मालिक घर से गायब मिला। वहीं, पीछे बाड़ी में बड़े काम करते मिले। बाड़ी से टीम ने दो सिलपट, 27 चिरान, कटर मशीन, राउटर, रमदा मशीन, हाथ कटर मशीन और बड़े के कार्य में उपयोग आने वाले अन्य उपकरण मिले, जिसे जब्त कर लिया।
वहीं, इस मामले में घर मालिक विजय लोनिया को मुख्य आरोपी बनाया गया है। साथ ही दो बड़े को गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ वन अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

वनकर्मियों की मिलीभगत से जंगल में कटाई का आरोप: बता दें कि, सीपत और सैंटी इलाके के जंगल में बढ़े पैमाने पर इमारती लकड़ियों की अवैध कटाई हो रही है। इसमें वन विभाग के मैदानी कर्मचारियों की मिलीभगत होने का भी दावा किया जा रहा है। जंगल से इमारती लकड़ियों की कटाई कर ब्लौटा और कोरबा इलाके में खपाया जा रहा है।
इससे पहले भाजपा नेता और पूर्व मंत्री बांधी ने जंगल पहुंचकर अवैध कटाई का खुलासा किया था। साथ ही उन्होंने मामले की शिकायत वन विभाग के अफसरों से की थी। लेकिन, इसके बाद भी अवैध कटाई नहीं थम रहा है।

आतिथी बोलिं- सीएम दफ्तर से भगत सिंह-अंबेडकर की तस्वीरें हटाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सीएम ऑफिस में बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरों पर भाजपा और आप आमने-सामने आ गई हैं। नेता प्रतिपक्ष आतिथी ने आरोप लगाया, भाजपा के सत्ता में आते ही सीएम ऑफिस से बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटा दीं। इसके कुछ घंटे बाद ही भाजपा ने सीएम ऑफिस की एक तस्वीर जारी की। कहा कि आप झूठ बोल रही है। सीएम ऑफिस में अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें लगी हैं। बस उनकी जगह बदली गई। इसे लेकर दिल्ली विधानसभा के सत्र के दौरान सोमवार को आप ने हंगामा भी किया। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी शहीद भगत सिंह को अपना आदर्श मानती है। अन्ना आंदोलन के वक्त भी शहीद भगत सिंह की तस्वीर को लेकर प्रदर्शन किए। पंजाब में जब 2022 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 16 मार्च 2022 को शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड कलां में शपथ ली थी। तब से दिल्ली और पंजाब के सीएम ऑफिस में मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे शहीद भगत सिंह और अंबेडकर की फोटो लगाई जाने लगीं।

तेलंगाना टनल हादसा, अंदर 11 किमी पानी भरा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह गया। इसमें 8 कर्मचारी फंस गए। इन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन सोमवार को तीसरे दिन भी जारी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में आर्मी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के अलावा राज्य सरकार की अन्य एजेंसी भी जुटी हुई हैं। उत्तराखंड के सिलक्वारा टनल में फंसे लोगों को निकालने वाली टीम को भी इसमें शामिल किया गया है। 2023 में सिलक्वारा टनल का एक हिस्सा गिर गया था। 17 दिन बाद 41 लोगों को सुरक्षित निकाला गया था। तेलंगाना सरकार के मंत्री जुषल्ल कृष्ण राव ने कहा कि हादसा सुरंग के मुहाने से करीब 13 किलोमीटर दूर हुआ है। रेस्क्यू टीम फंसे हुए लोगों से 100 मीटर दूर है, लेकिन पानी और कीचड़ की वजह से ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। मजदूरों के बचने की संभावना कम है। हमारी कोशिश जारी है।

दिल्ली आ रही अमेरिकी फ्लाइट में बम की धमकी फर्जी

रोम (एजेंसी)। न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट में बम होने की धमकी फर्जी निकली। रविवार को फ्लाइट एए292 में बम की खबर मिलने के बाद उसे रोम की ओर डायवर्ट कर दिया गया था। फ्लाइट में 199 यात्री और 15 कर्मकर्म मौजूद थे। रविवार को जांच के बाद उसे फिर से उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई। हालांकि, अभी फ्लाइट दिल्ली नहीं आएंगी। एक दिन और उसे रोम के फ्यूमिसीनो एयरपोर्ट पर रोका जाएगा। दरअसल, एयरलाइंस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट के प्रोटोकॉल के मुताबिक उसे लैंड करने से पहले कहीं और जांच की जानी जरूरी है।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष को इंडिगो फ्लाइट में टूटी सीट मिली

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इंडिगो एयरलाइंस की सर्विस पर सवाल उठाए हैं। चंडीगढ़ से दिल्ली की यात्रा में जाखड़ की सीट के कुशन ढीले मिले। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टूटी सीटों की तस्वीरें शेयर कर जाखड़ ने कहा, जब उन्होंने इसे लेकर कर्मबर्स से बात की तो उन्होंने कंपनी की वेबसाइट पर जाकर शिकायत करने को कहा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को देखना चाहिए कि प्रमुख एयरलाइंस का यह चलता है वाला रवैया सुरक्षा मानकों तक न बड़े। इससे पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एअर इंडिया की सुविधाओं पर सवाल उठाए थे।

शिवराज को फ्लाइट में टूटी सीट पर बैठकर यात्रा करनी पड़ी थी। सुनील जाखड़ ने अपनी पोस्ट में कहा- ऐसा लगता है कि टूटी हुई सीटें, जैसा कि शिवराज सिंह चौहान जी ने बताया है, एअर इंडिया का विशेष अधिकार क्षेत्र नहीं हैं। 27 जनवरी को इंडिगो चंडीगढ़-दिल्ली उड़ान की कुछ तस्वीरें यहां दी गई हैं, जिसमें कई सीटों पर ढीले कुशन लगे हुए हैं, जबकि नियमित रूप से फिट की गई सीटें सुरक्षा नियमों के अनुरूप नहीं हैं। कंबिन करू ने हमेशा की तरह विनम्र होने के बावजूद इस बारे में कुछ भी करने में असमर्थता जताई और कहा कि मुझे कंपनी की वेबसाइट पर शिकायत करनी चाहिए।

बड़े से बड़ा और छोटे से छोटा निवेशक भी हमारे लिए है अतिथि: प्रधानमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित मध्यप्रदेश से विकसित भारत के उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई दी। प्रधामन्त्री श्री मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए आशान्वित है। भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता को सिद्ध किया है, जिसके परिणाम स्वरूप सम्पूर्ण विश्व भारत पर विश्वास प्रकट कर रहा है। प्रधामन्त्री श्री मोदी ने कहा कि यही विश्वास हम मध्यप्रदेश में अनुभव कर रहे हैं। मध्यप्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का पांचवां बड़ा राज्य है, कृषि और खनन में अग्रणी है, इसके साथ ही राज्य को माॅनर्मादा का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। देश में हो रहे अधोसंरचना विकास का लाभ मध्यप्रदेश को मिला है, दिल्ली, मुम्बई

नेशनल हाईवे का बड़ा भाग मध्यप्रदेश से निकलता है, प्रदेश में पाँच लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क है और लॉजिस्टिक्स की यहाँ अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। मध्यप्रदेश में हर वो क्षमता है, जो इसे देश के शीर्ष पाँच राज्यों में ला सकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वर्ष 2025 का उद्योग वर्ष के रूप में मनाने के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर प्रदेश में औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए लागू 18 नवीन नीतियों का शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश उद्योग नीति 2025, एमएसएमई नीति, एक्सपोर्ट प्रमोशन नीति, लॉजिस्टिक्स नीति, स्टार्टअप नीति, मध्यप्रदेश एनीमेशन, वीआर, गैमिंग कामिक्स, जीआर, विस्तारित रियलिटी नीति, जीसीसी नीति, सेमी कंडक्टर नीति, ड्रोन



संवर्धन और उपयोग नीति, फिल्म पर्यटन नीति, पर्यटन नीति, पम्पड ह्राइड्रो स्टोरेज नीति, सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन नीति, विमानन नीति, नवकरणीय ऊर्जा नीति, स्वास्थ्य निवेश प्रोत्साहन नीति और एकीकृत टाउनशिप नीति शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने समिट में पथारे उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यहाँ 300 से अधिक इंडस्ट्रीज जोन हैं और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश में 31 हजार मेगावॉट सरप्लस एनर्जी है, जिसमें

30 फीसदी रिन्यूएबल एनर्जी है। कुछ दिन पहले ही ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ हुआ है। एनर्जी सेक्टर में आए बूम का मध्यप्रदेश को लाभ मिला है। हाल ही में 45 हजार करोड़ रूपए लागत की केन-बेतवा लिंक परियोजना की आधारशिला रखी गई, जिससे 10 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता बढ़ेगी, परिणामस्वरूप प्रदेश में कपड़ा उद्योग और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर बढ़ेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश का देश का कंटन कैपिटल बताते हुए कहा कि कपड़ा उद्योग और कंटन सत्याय में मध्यप्रदेश, देश का सबसे बड़ा उत्पादक है। यहाँ का मलबरी सिल्क और चंदेरी साड़ियाँ भी बहुत पसंद की जाती हैं। देश में बन रहे सात बड़े टेक्सटाइल पार्क में से एक मध्यप्रदेश में है।

देश का सबसे बड़ा बोनमैरो ट्रांसप्लांट सेंटर लगभग तैयार

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में बन रहा देश का सबसे बड़ा बोनमैरो ट्रांसप्लांट सेंटर जुलाई-अगस्त तक शुरू हो जाएगा। 50 बेड वाला यह सेंटर स्टेट कैन्सर इंस्टीट्यूट में बनकर तैयार हो रहा है। यहाँ कैंसर मरीजों के लिए बेहद जरूरी बोनमैरो ट्रांसप्लांट मुफ्त में हो सकेगा। हालांकि अभी एसएमएस (सवाई मानसिंह) हॉस्पिटल में ट्रांसप्लांट हो रहा है। केवल 2 बेड की व्यवस्था है, जहाँ एक साल से भी लंबी वेटिंग है। ऐसे में कई मरीज तो इंतजार में ही दम तोड़ देते हैं। कई मरीजों को प्राइवेट हॉस्पिटल में 40 लाख रूपए तक खर्च करने पड़ते हैं। अब तक 15 साल में यहाँ केवल 150 ट्रांसप्लांट हुए हैं, इसके चालू होने के बाद एक साल में 500 मरीजों का बोनमैरो ट्रांसप्लांट हो सकेगा। कैंसर रोगियों के लिए बोनमैरो ट्रांसप्लांट एक अहम इलाज है। कैंसर के कारण मरीज को कीमोथेरेपी या रेडियेशन थेरेपी से गुजरना पड़ता है। इस दौरान मरीज के शरीर में कैंसर सेल्स तो खत्म होती हैं, लेकिन साथ-साथ स्टेम सेल्स भी खत्म हो जाती हैं।



ये स्टेम सेल्स शरीर की हड्डियों में मौजूद बोनमैरो से बनती हैं। ऐसे में कीमोथेरेपी पूरी होने के बाद स्वस्थ स्टेम सेल्स को व्यक्ति के शरीर में ट्रांसप्लांट किया जाता है। इसे बोनमैरो ट्रांसप्लांट या स्टेम सेल्स ट्रांसप्लांट कहा जाता है। साल में करीब दो लाख औसत कैंसर के मरीज सामने आते हैं। इनमें बीस से पच्चीस फीसदी मरीज ब्लड कैंसर के होते हैं। इनमें दस से 15 फीसदी मरीज ऐसे होते हैं, जिन्हें ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है।

इंदिरा गांधी पर टिप्पणी, जयपुर में कांग्रेसी पुलिस से भिड़े

जयपुर (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गई विवादाित टिप्पणी और 6 विधायकों के निलंबन के विरोध में आज जयपुर में तनावपूर्ण स्थिति रही। विधानसभा घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर धक्का-मुक्का हुई। 22 गोदाम सर्किल पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर मार्च को रोक दिया। बैरिकेडिंग के बीच बने मंच से कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। भीड़ को उठा होता देख पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों



को बैरिकेडिंग से खदेड़ा और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। फिलहाल प्रदर्शन खत्म हो गया है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। विधानसभा में 21 फरवरी को प्रश्नकाल के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोट को इंदिरा

गांधी पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस ने बैल में आकर हंगामा किया था। अविनाश गहलोट ने सवाल के जवाब में कहा था कि 2023-24 में आपकी दादी इंदिरा गांधी के नाम पर योजना का नाम रखा था। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा था कि दादी सम्मानित शब्द है। पटेल बोल रहे थे इसी दौरान हंगामा बढ़ गया था। कांग्रेस विधायक स्पीकर की टैबल तक पहुंचने लगे थे। इसी दौरान स्पीकर ने सदन की कार्यवाही को आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया था। इस मुद्दे पर बने गतिरोध के कारण सदन की कार्यवाही 4 बार स्थगित हुई थी।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष को इंडिगो फ्लाइट में टूटी सीट मिली महाकुंभ में अक्षय कुमार-कैटरिना कैफ ने डुबकी लगाई

पंजाब भाजपा अध्यक्ष को इंडिगो फ्लाइट में टूटी सीट मिली

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इंडिगो एयरलाइंस की सर्विस पर सवाल उठाए हैं। चंडीगढ़ से दिल्ली की यात्रा में जाखड़ की सीट के कुशन ढीले मिले। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टूटी सीटों की तस्वीरें शेयर कर जाखड़ ने कहा, जब उन्होंने इसे लेकर कर्मबर्स से बात की तो उन्होंने कंपनी की वेबसाइट पर जाकर शिकायत करने को कहा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को देखना चाहिए कि प्रमुख एयरलाइंस का यह चलता है वाला रवैया सुरक्षा मानकों तक न बड़े। इससे पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एअर इंडिया की सुविधाओं पर सवाल उठाए थे।

शिवराज को फ्लाइट में टूटी सीट पर बैठकर यात्रा करनी पड़ी थी। सुनील जाखड़ ने अपनी पोस्ट में कहा- ऐसा लगता है कि टूटी हुई सीटें, जैसा कि शिवराज सिंह चौहान जी ने बताया है, एअर इंडिया का विशेष अधिकार क्षेत्र नहीं हैं। 27 जनवरी को इंडिगो चंडीगढ़-दिल्ली उड़ान की कुछ तस्वीरें यहां दी गई हैं, जिसमें कई सीटों पर ढीले कुशन लगे हुए हैं, जबकि नियमित रूप से फिट की गई सीटें सुरक्षा नियमों के अनुरूप नहीं हैं। कंबिन करू ने हमेशा की तरह विनम्र होने के बावजूद इस बारे में कुछ भी करने में असमर्थता जताई और कहा कि मुझे कंपनी की वेबसाइट पर शिकायत करनी चाहिए।

महाकुंभ में अक्षय कुमार-कैटरिना कैफ ने डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का आज 43वां दिन है। मेला खत्म होने में 2 दिन और बचे हैं। आज शाम 4 बजे तक 1.05 लाख से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। संगम स्टेजेशन से लेकर संगम तक भीड़ जमा थी। दोपहर तक भीड़ कम होना शुरू हो गई। 13 जनवरी से अब तक 62.97 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने संगम स्नान किया। एक्ट्रेस कैटरिना कैफ भी अपनी सास के साथ महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने मां गंगा की पूजा की और डुबकी लगाई। परमार्थ निकेतन शिविर में स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती का आशीर्वाद भी लिया। कैटरिना ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मैं इस समय यहां पर आई। मैं बहुत खुश हूँ। ये बहुत ही सुंदर जगह है। एक्ट्रेस रवीना टंडन भी महाकुंभ पहुंची हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने भी स्नान किया। इस बीच आज प्रयागराज में एटी पीईट पर पार्किंग के आसपास जाम



की स्थिति है। शहर के अंदर चौराहों पर भी बीच-बीच में जाम लग रहा है। प्रयागराज पहुंचने वाली गाड़ियों को संगम से 10 किमी पहले पार्किंग में रोका जा रहा है। उसके बाद मेला क्षेत्र तक आँटो, ई-रिक्शा या शटल बसों से जा सकते हैं। आँटो वाले 10 किलोमीटर का एक हजार रूपया वसूल रहे हैं।

कोलकाता में 3 लाश मिली, नरसें कटीं, गर्दन पर घाव

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में 19 फरवरी को एक ही परिवार की 14 साल की लड़की और दो महिलाओं की लाश मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इनकी हत्या की साजिश की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों महिलाओं की नसें कटी हुई थीं और गर्दन पर घाव के गहरे निशान थे। नाबालिग की मौत जहर खाने से हुई थी। तीनों की मौत पुलिस के लिए मिस्ट्री बनी हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस इसे हत्या का मामला बता रही है और उसी आधार पर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जिस दिन तीनों की लाश

मिली, उसी दिन दोनों महिलाओं के पतियों की कार का एक्सीडेंट हुआ। एक्सीडेंट में 3 लोग घायल हुए। फिलहाल तीनों अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें दोनों मृत महिलाओं के पति प्रणय डे और प्रसून डे शामिल हैं। रिश्ते में दोनों भाई हैं। पुलिस को शक महिलाओं की नसें कटी हुई थीं और गर्दन पर घाव के गहरे निशान थे। नाबालिग की मौत जहर खाने से हुई थी। तीनों की मौत पुलिस के लिए मिस्ट्री बनी हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस इसे हत्या का मामला बता रही है और उसी आधार पर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जिस दिन तीनों की लाश

कश्मीर-उत्तराखंड में इस हफ्ते भारी बारिश की आशंका

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है। हिमाचल प्रदेश के 4 जिलों चंबा, काँगड़ा, कुल्लू और मंडी में 26 और 27 फरवरी को बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में भी देखने को मिलेगा। इसके चलते पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 1 मार्च तक बारिश हो सकती है। हालांकि अधिकांश राज्यों में इस हफ्ते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है।



हिमाचल प्रदेश के पंचमढ़ी में तापमान 6.1 डिग्री पहुंच गया। प्रदेश में हल्की सर्दी का दौर फिर आ गया है। दिन में ठंडी हवा चल रही है तो रातें सर्द हैं। रविवार की रात प्रदेश के 3 शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। प्रदेश के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, सागर, शहडोल-रीवा के साथ भोपाल संभाग में भी पारा लुढ़का है।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन ऐसा

प्रदेश के 3 शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। पंचमढ़ी में तापमान 6.1 डिग्री पहुंच गया। प्रदेश के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, सागर, शहडोल-रीवा के साथ भोपाल संभाग में भी पारा लुढ़का है। राजस्थान में सुबह-शाम की अब भी सर्दी का जोर है।

पटना में बालू लदा ट्रक ऑटो से टकराया, 7 की मौत

पटना। पटना के मसौढ़ी में रविवार देर रात बालू लदा ट्रक ने ऑटो में टकरा कर मार दी। इस घटना में ऑटो सवार 7 लोगों की मौत हो गई। ट्रक के बाद दोनों गाड़ियां छोटी नहर में गिर गईं। ट्रक ऊपर और ऑटो उसके नीचे था। एक्सीडेंट में ऑटो के परखच्चे उड़ गए पुलिस ने जेसीबी से शव को बाहर निकाला। घटना मसौढ़ी-नौबतपुर मार्ग पर धनीचक मोड़ पर की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद से एक महिला और उसकी 2 साल की बच्ची अभी भी लापता हैं। जेसीबी की मदद से उन्हें ढूंढा जा रहा है। मसौढ़ी के एसडीओ नव वैभव ने बताया, %घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। देर रात हादसा हुआ है। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से राहत कार्य चलाया गया। गाड़ी के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। इधर सोमवार सुबह आक्रोशित लोगों ने मसौढ़ी-



नौबतपुर मार्ग को जाम कर दिया है। करीब 3 घंटे से रोड पर शव रखकर मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि सड़क किनारे के पेड़ के कारण हादसा हो रहा है। पेड़ काटने को लेकर लोगों की पुलिस से झड़प भी हुई है। लोगों का कहना है कि पेड़ के कारण हादसे होते हैं, इसे काट

देना चाहिए। जबकि पुलिस पेड़ काटने से रोक रही है। जानकारी के मुताबिक ऑटो में सभी मजदूर थे और पटना से मजदूरी करके तारेगना स्टेशन पर उतरे। फिर वहां से ऑटो से अपने घर लौट रहे थे। इस बीच पितवांस की ओर से जा रहे ट्रक का एक्सेल टूट गया और ट्रक असंतुलित होकर ऑटो से टकरा गया। इसके बाद दोनों वाहन पानी

भरे गड्डे में जा गिरे। ग्रामीणों के मुताबिक, खराट गांव के मजदूर प्रतिदिन अपने गांव से ट्रेन पकड़कर पटना मजदूरी करने जाते हैं। रविवार देर रात पटना से मजदूरी करके तारेगना स्टेशन उतरे थे। वहां से ऑटो पकड़कर अपने गांव खराट जा रहे थे। इसी बीच नूरा बाजार के पास हादसा हुआ। ऑटो में 9 लोग सवार थे।

भारत ने अपने नाम किया अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड, टीम इंडिया ने हारा लगातार 12 बार टॉस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुक़ाबला खेला जा रहा है। इस मुक़ाबले के शुरू होते ही टीम इंडिया के नाम एक अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारतीय टीम अब वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा टॉस हारने वाली टीम बन गई है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पांचवां मुक़ाबला भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में खेला जा रहा है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उन्होंने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लगातार 12वीं बार हुआ है जब टीम इंडिया वनडे क्रिकेट में टॉस हारी है। इससे पहले ये अनचाहा रिकॉर्ड नीदरलैंड के नाम था। नीदरलैंड

क्रिकेट टीम ने लगातार 11 बार वनडे में टॉस हारे थे। इस कड़ी में टीम इंडिया ने पहला टॉस न्यूजीलैंड के खिलाफ 2023 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में हारा था। रोहित शर्मा ने अंतिम बार वनडे में नीदरलैंड के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप 2023 में टॉस जीता था। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में भी टॉस हारा था लेकिन मैच जीतने में उसे कोई परेशानी नहीं हुई थी। पाकिस्तान की तरफ बांग्लादेश ने भी पहले बल्लेबाजी चुनी थी लेकिन शुभमन गिल के शतक और केएल राहुल की सुझबूझ भरी पारी से टीम इंडिया ने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया था। चैंपियंस ट्रॉफी का ये मुक़ाबला मेजबान के लिए करो या मरो जैसा है।

पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया को सपोर्ट करने पहुंचे जसप्रीत बुमराह, खिलाड़ियों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान मैच के दौरान टीम इंडिया को जसप्रीत बुमराह का भी साथ मिलेगा। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जसप्रीत टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं बावजूद इसके वह दुबई पहुंचे। असल में बुमराह मैदान में बैठकर टीम इंडिया का हौसला बढ़ाएंगे। बता दें कि, जसप्रीत बुमराह को ऑस्ट्रेलिया टूर पर चोट लगी गई थी।

इसके चलते वह आखिरी टेस्ट के फाइनल सेशन में गेंदबाजी भी नहीं कर पाए थे। इस चोट के चलते ही बुमराह पिछले कुछ अरसे से टीम से बाहर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भी वह जगह नहीं बना पाए थे। इस दौरान उन्होंने टीम इंडिया के सितारों से मुलाकात की और विराट कोहली ने उन्हें गले लगाया। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान

हार्दिक पंड्या ने कहा, मैंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हरफनमौला हार्दिक पंड्या को लगता है कि पिछले साल वेस्टइंडीज में आईसीसी टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद उन्होंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है। पंड्या को पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान नियुक्त किया गया था। वह गुजरात टाइटंस को छोड़कर वापस मुंबई की टीम से जुड़े थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों ने लगातार उनको निशाने पर रखा था। पंड्या ने हालांकि इस नकारात्मकता को पीछे छोड़कर अमेरिका और

वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत 2007 के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता को जीतने में सफल रहा। पंड्या ने इस टूर्नामेंट में 144 रन बनाने के साथ 11 विकेट भी लिए। पंड्या ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किए गए वीडियो में कहा, "मेरे लिए जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैंने उन्हें मुंबई की टीम से जुड़े थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों ने लगातार उनको निशाने पर रखा था। पंड्या ने हालांकि इस नकारात्मकता को पीछे छोड़कर अमेरिका और

भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से दी पटखनी, विराट कोहली ने खेली आतिशी पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5वां मुक़ाबला दुबई के स्टेडियम में खेला गया। जिसे भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीता। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 49.4 ओवर में 241 रन बनाए। जिसके जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट पर 244 रन बनाए। इस जीत के साथ भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय हो गया है। वहीं पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया है। भारत के लिए विराट कोहली ने 111 गेंद पर नाबाद 100 रन बनाए।

वहीं आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की पॉइंट्स टेबल में भारत टॉप पर पहुंच गई है। साथ ही इस जीत से भारत ने पाकिस्तान से 2017 का बदला भी ले लिया है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरी जीत हासिल की है। पाकिस्तान ने भी इस टूर्नामेंट में भारत से तीन मैच जीते हैं।

वहीं मुक़ाबले की बात करें तो, पाकिस्तान टीम टॉस जीतने के बाद 49.4 ओवर में 241 पर ढेर हो गई। पाकिस्तान के



लिए सऊद शकील ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 76 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 62 रन की पारी खेली। कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 77 गेंदों में 46 रन बनाए, जिसमें चौके शामिल हैं। उन्होंने शकील के साथ

तीसरे विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की। बाबर आजम ने 25 गेंदों में 23 रन बटोरे। उन्होंने पांच चौके मारे। इमाम-उल हक 10 ने और सलमान आगा ने 19 रनों का योगदान दिया। वहीं सातवें नंबर पर खुशदिल

शाह ने 39 गेंदों में 38 रन की पारी खेली। उन्होंने दो छक्के लगाए।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की अच्छी शुरुआत थी। कप्तान रोहित शर्मा 15 गेंदों में 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें शाहीन अफरीदी ने पांचवें ओवर में बोल्ट किया। इसके बाद, कोहली ने शुभमन गिल (52 गेंदों में 46, सात चौके) के साथ दूसरे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। गिल को स्पिनर अब्दुर अहमद ने 18वें ओवर में बोल्ट किया। कोहली ने श्रेयस अय्यर (67 गेंदों में 56 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रनों की अहम पार्टनरशिप की। लग रहा था कि दोनों भारत को जिताने लौटेंगे लेकिन अय्यर 39वें ओवर में खुशदिल शाह के जाल में फंस गए। शाहीन ने 40वें ओवर में हार्दिक पंड्या (8) को पवेलियन भेजा। कोहली ने चौका लगाकर 51वां वनडे शतक कप्तान किया। ये उनके इंटरनेशनल करियर का 82वां शतक है। वहीं भारत के लिए कुलदीप यादव ने 3, हार्दिक पंड्या ने 2 और हर्षित राणा और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। जबकि अक्षर पटेल ने 2 रन आउट भी किए।

बाबर आजम को आउट करने के बाद हार्दिक पंड्या का रिएक्शन वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान हाईवोल्टेज मुक़ाबला रविवार को दुबई में खेला जा रहा है। जहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही है। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान के इस निर्णय को गलत साबित करके पावरप्ले में ही दो विकेट झटकें। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज बाबर आजम को आउट करके पहली सफलता दिलाई। इसके बाद सोशल मीडिया पर हार्दिक पंड्या का बाबर आजम को आउट करने के



बाद का रिएक्शन वायरल हो रहा है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम भारत के खिलाफ हाईवोल्टेज मुक़ाबले में लय में नजर

आए। उन्होंने आउट होने से पहले पांच बेहतरीन चौके लगाए। बाबर ने 24 गेंद में 23 रन की पारी खेली। बाबर ने इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी

खेली थी लेकिन पारी होने के कारण से उनकी काफी आलोचना हुई थी।

बाबर आजम का विकेट लेने के बाद भारतीय खिलाड़ियों में काफी जोश दिखा। वहीं हार्दिक ने भी काफी जोशीला जश्न मनाया। पवेलियन लौटते समय हार्दिक ने बाबर आजम को बाय-बाय का इशारा किया। उनका ये इशारा सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो रहा है। बाबर ने हार्दिक के ओवर की पहली ही गेंद पर चौका लगाया था। हालांकि, दूसरी गेंद पर हार्दिक ने उन्हें कैच आउट कराकर पवेलियन भेजा।

रोहित शर्मा वनडे में बतौर ओपनर सबसे तेज 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने



नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे लीग मैच में भारतीय कप्तान और ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपनी पारी के दौरान एक बड़ा और नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस मैच में पाकिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में 241 रन बनाते हुए भारत को जीत के लिए 242 रन का टारगेट दिया। रोहित शर्मा ने वनडे फॉर्मेट में बतौर ओपनर बल्लेबाज 9000 रन 181 पारियों में पूरे किए जबकि इससे पहले सचिन तेंदुलकर ने ये कमाल 197 पारियों में किया था। अब रोहित शर्मा ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है और वो पहले नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर सौरव गांगुली हैं जिन्होंने ऐसा 231 पारियों में किया था जबकि क्रिस गेल ने 246 इनिंग में 9 हजार रन बतौर ओपनर पूरे किए थे। रोहित शर्मा वनडे प्रारूप में 9000 रन बनाने वाले दुनिया के छठे बल्लेबाज बने। वनडे में इससे पहले बतौर ओपनर 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज तेंदुलकर, जयसूर्या, क्रिस गेल, गिलक्रिस्ट, गांगुली थे। बतौर ओपनर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड तेंदुलकर के नाम पर दर्ज है तो वहीं इस लिस्ट में रोहित छठे नंबर पर हैं।

हार्दिक पंड्या ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 विकेट पूरे किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई में खेले जा रहे भारत और पाकिस्तान मुक़ाबले में टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाई है। दरअसल, उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 200 विकेट पूरे किए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ दुबई में खेले जा रहे मैच में अपना दूसरा विकेट लेते ही ये आंकड़ा छुआ। पाकिस्तान के साऊद शकील (62) उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 200वां शिकार बने।



वहीं हार्दिक पंड्या के आंकड़ों की बात करें तो, पाकिस्तान की पारी के शुरुआती कुछ ओवरों के दौरान मोहम्मद शमी फिटनेस कारणों से बाहर चले गए थे। ऐसे में पंड्या ने प्रमुख तेज गेंदबाज की गैरमौजूदगी में बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने बाबर आजम के रूप में अपनी पहली सफलता हासिल की।

इकॉनमी रेट से 31 रन दिए। हार्दिक पंड्या ने 2016 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। वनडे में उन्होंने 85 पारियों पर 89 विकेट लिए हैं। उन्होंने 11 टेस्ट में 31.29 की औसत के साथ 17 विकेट लिए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 102 पारियों में 26.43 की औसत के साथ 94 विकेट चटकाए हैं। पंड्या ने अब तक 216 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें लगभग 30 की औसत के साथ 200 विकेट झटकें हैं। इस बीच उन्होंने 1 पारी में 5 विकेट भी चटकाए हैं। इसके साथ ही पंड्या अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4 हजार रन बनाने के साथ-साथ 200 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में शुमार हुए हैं। उन्होंने 172 पारियों में 30.50 की औसत के साथ 4,249 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 20 अर्धशतक लगाए हैं।

कोहली और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने देना चाहिये-सरफराज

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना भविष्य तय करने का अधिकार खुद मिलना चाहिये। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद कप्तान रोहित और अनुभवी बल्लेबाज कोहली के भविष्य पर सवाल उठने लगे। इन श्रृंखलाओं में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। सरफराज ने यहां पत्रकारों से कहा, "लोगों को विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।"



तरह का प्रदर्शन किया है।" पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने कहा, "रोहित शर्मा के लिए भी यही बात लागू होती है। जिस तरह से वह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं वह शानदार हैं। उन्होंने 2023 (वनडे) विश्व कप में टीम का बेहतरीन तरीके से नेतृत्व किया और इसके बाद टी 20 विश्व कप जीता।" सरफराज ने कहा कि विराट और रोहित सही समय आने पर क्रिकेट को अलविदा कह देंगे, लेकिन तब तक भारत को अपनी टीम में उनके आसपास बनानी चाहिए। सरफराज ने कहा, "उन्हें

खेलने दें और उन्हें तय करने दें कि वे क्या करना चाहते हैं। आपको उनके आसपास ही अपनी टीम बनानी चाहिए। जिस तरह से उन्होंने टी 20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा उसी तरह से वे अन्य प्रारूपों में भी करेंगे। आपको उन्हें हटाकर टीम नहीं बनानी चाहिए, आपको उन्हें शामिल करके टीम बनानी चाहिए।" सरफराज ने कहा कि पाकिस्तान को भी इसी तरह बाबर आजम को केंद्र में रखकर टीम तैयार करनी चाहिए। पूर्व कप्तान बाबर भारत के खिलाफ चैंपियंस

ट्रॉफी मैच में हालांकि महज 23 रन पर आउट हो गए। उन्होंने कहा, "बाबर आजम एक अलग खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उन्हें (पाकिस्तान) टीम को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि बाबर आजम भारत के लिए विराट कोहली की तरह पूरे 50 ओवर खेल सकें। वह शुरुआत में समय लेते हैं और फिर खेल को आगे बढ़ाते हैं।" उन्होंने कहा, "उनका (बाबर का) लक्ष्य किसी पर क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए पूरे 50 ओवर तक खेलने का हीना चाहिये। उनके साथ मौजूद दूसरे बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का जिम्मा उठाना चाहिये। सरफराज ने कहा कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करनी चाहिए थी। उन्हें पाकिस्तान के लोगों से काफी प्यार और सम्मान मिलता। उन्होंने कहा, "मैं आपसे पाकिस्तानी लोगों का सामान्य दृष्टिकोण साझा करना चाहूंगा।"

भी झटका। इस दौरान उन्होंने अपने 8 ओवर में 3.90 की

ऑटो और तूफान गाड़ी में हुई टक्कर, दोनों वाहनों में सवार थे महाकुंभ यात्री

रीवा-प्रयागराज मार्ग में भीषण सड़क हादसा, 21 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कटरा के समीप ऑटो और तूफान गाड़ी में भीषण टक्कर हो गई। हादसे में 21 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। बताया गया कि ऑटो और तूफान गाड़ी में सवार सभी लोग कुंभ मेले में शामिल होने प्रयागराज जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही सड़क हादसे का शिकार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा और घटना की जांच शुरू कर दी है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक मेहर जिले के ताला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तमरा निवासी आठ लोग ऑटो में सवार होकर महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे थे। जैसे ही वह गढ़



थाना क्षेत्र के कटरा के समीप पहुंचे तभी तेज रफतार तूफान गाड़ी ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ऑटो फिल्टरी स्ट्राइल में हवा में उड़ते हुए करीब 20 फीट दूर जा गिरा।

इसके बाद तूफान गाड़ी भी उसी के ऊपर जा गिरी। जिससे ऑटो और तूफान गाड़ी में सवार 21 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल

भेजा गया। वहीं घटना स्थल पहुंची पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि ऑटो और तूफान गाड़ी में सवार सभी लोग कुंभ मेले में प्रयागराज जा रहे थे।



5वीं और 8वीं की परीक्षा शुरू, की गई सख्त सुरक्षा व्यवस्था



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बोर्ड परीक्षाओं का सिलसिला शुरू हो चुका है। आज से पांचवीं और आठवीं की परीक्षा शुरू हो चुकी है। जिसके लिए के लिए शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जहां हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए हैं। बताया गया है कि इस बार बोर्ड परीक्षा के लिए शासन एवं प्रशासन स्तर पर कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिसमें पांचवीं

और आठवीं की परीक्षा में सख्ती की जा रही है। बता दें कि पांचवीं और आठवीं की परीक्षा के लिए कई सेंटर बनाए गए हैं। बताया गया कि परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से रखा गया है। जिसमें पांचवीं और आठवीं की परीक्षा में 5 माच तक चलेगी। इसके साथ ही 25 फरवरी से 12वीं और 27 फरवरी से दसवीं की परीक्षाएं प्रारंभ होंगी। जिसकी टाइमिंग 9 से 12 बजे तक रहेगी।

ज्योति स्कूल में प्राचार्य सहित तीन के खिलाफ प्रकरण दर्ज



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज्योति किंडर गार्डन में छात्र के साथ अमानवीय व्यवहार करने पर प्राचार्य सहित तीन के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर तथ्य को जुटाने में लगी हुई है। बता दें कि ज्योति किंडर गार्डन में एक छात्र ने नित्यक्रिया से कपड़े गंदे कर दिए थे, जिस पर विद्यालय स्टाफ ने उसके कपड़े उतार कर भीषण ठंड में खड़ा कर दिया था, इतना ही स्कूल प्रबंधन ने उससे कपड़े भी धुलवाए थे। एक छोटे से बच्चे के साथ स्कूल प्रबंधन के इस अमानवीय व्यवहार से लोगों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने स्कूल के सामने प्रदर्शन कर प्रबंधन के खिलाफ कारवाई की मांग की। परिजनों ने भी इस पूरे मामले की शिकायत अधिकारियों सहित थाने में की थी। जिस पर

पुलिस ने पूरे मामले की जांच की। जांच के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जिसमें तीन आरोपियों को नामजद किया गया है। इनमें प्राचार्य अनिल एंटोनी, क्लास टीचर उर्वशी महिंद्रा व आया विद्यावती काड़ी शामिल हैं।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर तथ्य को जुटाने में लगी हुई है। इस पूरे प्रकरण को मानवाधिकार आयोग ने भी संज्ञान में लिया है आयोग ने इस मामले में कलेक्टर व एसपी को तलब किया है जिस पर अधिकारियों को आयोग के सामने पेश होकर जवाब देना है। मानवाधिकार आयोग ने छोटे से बच्चे के साथ इस व्यवहार को लेकर काफी सख्त रुख अपनाया है। ऐसे में माना यह जा रहा है कि आने वाले समय में स्कूल प्रबंधन की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य को लिपिक ने दी धमकी! प्रशिक्षणार्थियों ने सौंपा ज्ञापन



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य को लिपिक द्वारा फोन पर धमकी दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है आरोप है लिपिक ने महाविद्यालय के ही दूसरे लिपिक को फोन कर उसे और प्राचार्य को देख लेने की धमकी दी है। मामले में महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की ओर से संभागायुक्त को ज्ञापन पत्र सौंपा गया है और लिपिक के खिलाफ निलंबन

के कारवाई की मांग की है। दरअसल आज शासकीय महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की ओर से आयुक्त को ज्ञापन पत्र सौंपा गया जिसमें महाविद्यालय के लिपिक जितेंद्र कुमार पांडे पर शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉक्टर आर एन पटेल को देख लेने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। बताया गया कि उक्त लिपिक जितेंद्र पांडे पूर्व से ही विवादित रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थापना के दौरान भी इन्हें निलंबित किया जा चुका है। वहीं पीके स्कूल में भी पदस्थापना के दौरान प्राचार्य एवं स्टाफ के साथ अभद्रता करने पर हटाया गया था और अब एक बार फिर उनके द्वारा शासकीय शिक्षा महाविद्यालय में पदस्थापना के दौरान प्राचार्य को फोन पर धमकी दी गई है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे प्रशिक्षणार्थियों ने कहा कि शिक्षा

महाविद्यालय के प्राचार्य को गाली एवं धमकी देने से शिक्षा महाविद्यालय की गरिमा पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है एवं महाविद्यालय का वातावरण भी खराब हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ प्राचार्य का अपमान नहीं बल्कि संपूर्ण शिक्षा जगत का अपमान है। ऐसे में लिपिक के खिलाफ निलंबन की कारवाही किए जाने की मांग करते हुए ज्ञापन पत्र संभागायुक्त को सौंपा गया है।

मऊगंज में सामूहिक विवाह सम्मेलन में दूल्हों ने की शर्मनाक हरकत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के जनपद कार्यालय द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें 280 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम के बाद मंडप में बड़ी संख्या में नशीली सिरप की खाली शीशियां मिलने के बाद अधिकारी हैरान रह गए। दरअसल सामूहिक विवाह सम्मेलन में सात फेरे लेने वाले दूल्हों द्वारा नशीली सिरप का सेवन किया गया था। उसके बाद उन्होंने सात फेरे लिए, नशीली सिरप की खाली शीशियां उन्होंने गढ़ के नीचे छिपा दी थी, जो कार्यक्रम के बाद मिली हैं।



विवाह सम्मेलन में नशियों की भी शायद हो गई है, जिन्होंने नशीली सिरप का सेवन कर सात फेरे लिए। दूल्हों की यह हरकत देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। बता दें कि बड़ी संख्या में नशीली सिरप का उपयोग युवकों द्वारा किया जाता है, जो नशीली सिरप के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। सामूहिक विवाह सम्मेलन में भी उन्होंने नशीली सिरप का सेवन कर सात फेरे लिए हैं।

एसडीएम ने हल्का पटवारी टिकुरी 32 को किया निलंबित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एसडीएम मगनवा प्रभाशंकर त्रिपाठी ने टिकुरी 32 हल्का के पटवारी जयलाल प्रजापति को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए हैं। सार्वजनिक स्थल पर मद्यपान तथा धूम्रपान करने एवं अभद्र आचरण करने पर यह कार्यावाही की गई है। निलंबन अवधि में श्री प्रजापति का मुख्यालय तहसील कार्यालय मगनवा रहेगा। नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षा केन्द्रों की सौ मीटर की परिधि में प्रतिबंधात्मक आदेश किए लागू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं और 10वीं की बोर्ड परीक्षा के परीक्षा केन्द्रों की सौ मीटर की परिधि में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए हैं। बोर्ड परीक्षाओं के सुचारु संचालन तथा परीक्षा के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदेश जारी किया गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) के तहत पूरे रीवा जिले में सभी परीक्षा केन्द्रों में लागू होंगे। जारी आदेश के अनुसार परीक्षा केन्द्र के सौ मीटर की परिधि प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। इसमें परीक्षा

के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति परीक्षा केन्द्र की सौ मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार की नकल सामग्री जैसे गाइड, पुस्तकें, नोट्स, पर्ची, कितारों के पत्ते आदि लेकर प्रवेश नहीं कर सकेगा। परीक्षा केन्द्र की गोपनीयता भंग करने पर कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। परीक्षा संचालन की अवधि में परीक्षा केन्द्र से सौ मीटर की परिधि में कोई भी दुकान जैसे चाय, पान की गुमटी, टेलीफोन बुथ, फोटोकॉपी अथवा कम्प्यूटर सेंटर, मोबाइल रिचार्ज दुकान सहित कोई भी दुकान संचालित नहीं होगी।

और परीक्षा से जुड़े अधिकारियों तथा कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा केन्द्र की सौ मीटर की परिधि में सभी तरह के अस्त्र-शस्त्र को लेकर प्रवेश करने पर भी प्रतिबंध रहेगा। प्रतिबंध की अवधि में कोई भी व्यक्ति अथवा समूह परीक्षा केन्द्र की ओर जाने वाले मार्ग में किसी भी प्रकार का अवरोध नहीं करेगा। परीक्षा केन्द्र के सौ मीटर के क्षेत्र में वाहनों का भी जमावड़ा प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा केन्द्र से सौ मीटर की परिधि में सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल, टैबलेट, कम्प्यूटर, ब्लूटूथ, स्मार्टवाच अथवा अन्य किसी भी तरह

महाशिवरात्रि पर्व की व्यवस्थाओं के लिए अधिकारी तैनात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महाशिवरात्रि पर्व में रीवा शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में समारोह आयोजित किए जाते हैं। साथ ही बैजू धर्मशाला से पंचमठा तक शिवजी की बारात निकाली जाती है। महाशिवरात्रि पर शहर भर में विभिन्न आयोजनों के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालक दण्डाधिकारी तैनात किए गए हैं। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व से जुड़ी समस्त प्रबंधों एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम हुजूर वैशाखी जैन को प्रभारी बनाया गया है। तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला को पंचमठाधाम मंदिर, नायब तहसीलदार तेजपति सिंह को कोटी कंपाउंड शिव मंदिर, नायब तहसीलदार विन्ध्य मिश्रा को महामातुंजय मंदिर किला परिसर तथा नायब तहसीलदार वेदवती सिंह को चिरहुला मंदिर परिसर में तैनात किया गया है। यह सभी अधिकारी सुबह 6 बजे से कार्यक्रम समाप्त तक तैनात रहेंगे। नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला को शिव बारात के साथ तैनात किया गया है।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की 50 दिन से अधिक की सभी शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर सभागा में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि समाधान ऑनलाइन के एजेंडा बिन्दुओं पर लिखित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तीन दिवस में निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लिखित सभी प्रकरणों का सात दिवस में निराकरण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जनवरी तथा फरवरी माह की शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। कार्यपालन यंत्री पीएचडी अभियान चलाकर खराब हेडपंपों का सुधार कराएं तथा हेडपंप सुधार से संबंधित सभी शिकायतों का निराकरण करें। जिला प्रबंधक जल निगम नलजल योजनाओं का नियमित संचालन कराकर पानी की आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का निराकरण करें। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा बिजली बिलों और बिजली की आपूर्ति से जुड़ी सीएम हेल्पलाइन की सभी शिकायतों का एक सप्ताह में निराकरण कराएं। श्रम विभाग, वन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग,



नगरीय निकाय, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा आदिमजाति कल्याण विभाग शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने कहा कि जनवरी माह की ग्रेडिंग में जो विभाग डी एवं सी श्रेणी में हैं उनके कार्यालय प्रमुखों की एक वेतनवृद्धि रोकें। अपर कलेक्टर संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करें। गुड उद्दहन सिंचाई परियोजना में मोटरपंप में खराबी के कारण पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। कार्यपालन यंत्री

जल संसाधन तत्काल सुधार कार्य कराकर सिंचाई के लिए किसानों को पानी की आपूर्ति कराएं। अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों का समय डाटा कर्मचारी डाटाबेस में अपडेट करा दें। यदि 28 फरवरी तक समय आर्ड्री दर्ज नहीं हुई तो संबंधित कर्मचारी और कार्यालय प्रमुख को वेतन नहीं मिलेगा। जिला समन्वयक ग्रामीण आजीविका परियोजना तथा जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम स्वसहायता समूह को टोल वसूली में

तैनात करने के संबंध में समस्त प्रक्रियाएं पूरी कराएं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्रम विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, योजना विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, समग्र आर्ड्री तथा ग्रामीण विकास विभाग के लिए सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लेबल-1 अधिकारी के रूप में दर्ज हैं। इन सभी से जुड़े सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर तय समय सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन

अधिकारी इसकी मॉनीटरिंग करके लिखित प्रकरणों का निराकरण कराएं। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अर्द्ध ग्राम योजना से तय वर्ष विभिन्न विभागों को प्रदान की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र दो दिवस में प्रस्तुत करें। सभी कार्यालय प्रमुख अधिकारियों और कर्मचारियों की ईमेल आईडी बनाकर दो दिवस में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को उपलब्ध कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने महाप्रबंधक सहकारी बैंक को शेष बचे किसानों को धान उपार्जन की राशि का दो दिवस में भुगतान करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन, फसल गिरादावरी, उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न के वितरण तथा उद्योग विभाग को औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सोरभ सोनवडे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय तथा सभी कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे।

बीआरसी टीम ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कक्षा पांचवीं आठवीं वर्ष 2024-25 की वार्षिक परीक्षाएं आज से प्रारंभ हो गईं। रीवा विकास खंड में इस परीक्षा के व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन हेतु तीन निरीक्षण दल बनाए गए हैं। परीक्षा के पहले दिन संचालित तीन परीक्षा केन्द्रों में बीआरसी रीवा द्वारा अपनी टीम के साथ भ्रमण किया गया। जिसमें

परीक्षा केंद्र शासकीय एस्के स्कूल रीवा, पूर्व माध्यमिक शाला खोर कोटी तथा परफॉर्मस मेमोरियल का निरीक्षण किया गया। सभी परीक्षा केन्द्रों में राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश के अनुरूप परीक्षा व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संचालित पाई गई। परीक्षा का आयोजन द्वितीय पाली में दोपहर 2 से किया गया। परीक्षा केन्द्रों में छात्रों की उपस्थिति 99 फीसदी रही।

जिले में 38 करोड़ 49 लाख की किसान सम्मान निधि मिली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भगलपुर, बिहार में आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों को सिंगल क्लिक के माध्यम से किसान सम्मान निधि की राशि जारी की। रीवा जिले के एक लाख 92 हजार 495 किसानों के बैंक खाते में कुल 38 करोड़ 49 लाख 90 हजार रूपए की राशि प्राप्त हुई। प्रत्येक किसान के बैंक खाते में किसान सम्मान निधि के रूप में दो-दो हजार रूपए प्राप्त हुए हैं। किसान सम्मान निधि से प्राप्त राशि किसानों की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में बड़ी सहायक होती है। रीवा जिले में तहसील त्योंथर में 29306, मगनवा में 28811, जवा में 25014, सेमरिया में 25412, सिरमौर 24720, तहसील हुजूर में 21706, गुड में 16726, रायपुर कचुलियाण में 14132 तथा तहसील हुजूर नगर में 6668

किसानों के बैंक खाते में किसान सम्मान निधि की राशि पहुंची। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि जिले भर में किसान सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण सभी विकासखण्डों और ग्राम पंचायतों में दिखाया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र रीवा के सभागा में आयोजित किया गया। इसमें कृषि वैज्ञानिक डॉ अजय पाण्डेय ने किसानों को जैविक खेती के विभिन्न उत्पादों की जानकारी दी। किसानों को मिट्टी परीक्षण, वर्मी कम्पोस्ट खाद और जैविक खाद के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी के उद्घोषण का सजीव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, कृषि वैज्ञानिक डॉ संजय सिंह तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सेवा और फार्मा क्षेत्र में असीम संभावनाएं



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उपायुष्मान श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रार्थमिकताओं में हेल्थ सेक्टर महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार का प्राथमिक लक्ष्य है। मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाएं तेज गति से बढ़ रही हैं। निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अधोसंरचना विकास और सहयोगी इन्फ्रास्ट्रक्चर से निवेश बढ़ रहा है। आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सेवा और फार्मा क्षेत्र में असीम संभावनाएं विकसित हुई हैं। आज हेल्थ सेवा क्षेत्र की जरूरतों की पूर्ति के लिये निजी क्षेत्र के पास असीम अवसर हैं। आज भारत में और मध्यप्रदेश में मांग की कोई कमी नहीं है। राज्य में क्रॉम फैसिलिटी सेंटर

बनाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में इई पोर्ट है और लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से यह एक उपयुक्त राज्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष प्रस्तावों के लिए वन-टू-वन चर्चा कर आवश्यक प्रारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हेल्थ केन्द्र, फार्मास्यूटिकल्स एवं मेडिकल डिवाइसेज सेसन में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में निवेश के लिये निवेशकों को आमंत्रित किया। राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि सरकार की नीयत और नीतियों ओद्योगिक विकास के लिए अनुकूल हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में अभूतपूर्व औद्योगिक वातावरण बना है, जिससे निवेशकों को आकर्षित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश नीतियों, अधोसंरचना और केंद्रीय लोकेशन के कारण फार्मा क्षेत्र के लिए आदर्श बन रहा है।